हरिभूमि

रेवाड़ी भूमि

रोहतक, रविवार, 20 अप्रैल 2025

तापमान

अधिकतम 41.5 डिग्री
न्यूनतम 25.5 डिग्री

11 हादसों में कमी लाने में सहायक ई-डार ऐप, इसका सटीक इस्तेमाल करें सुनिश्चित

12 कैडेट्स ने आधुनिक तकनीक के दौर में प्रभावित मानव व ग्लोबल वार्मिंग पर वाद-विवाद कर किया मंथन

सेक्टरों से लेकर सड़कों तक पर पेड़ों की कटाई जारी

उपायुक्त के आदेश साबित हो रहे कागजी रातों-रात चला रहे हरियाली पर कुल्हाड़ी

- अभी तक दर्जनों हरे पेड़ों की की जा चुकी कटाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पर्यावरण संरक्षण के नाम पर एक ओर जहां अधिक से अधिक पौधे लगाने का संदेश देने के लिए हर साल प्रचार-प्रसार के नाम पर मोटी रकम खर्च की जाती है, तो दूसरी ओर हरियाली के दुश्मन रातों-रात पेड़ों की कटाई कर रहे हैं। शहर के दो सेक्टरों में कई पेड़ काटे जाने की शिकायत पर डीसी हाल ही में एक्शन लेने के आदेश जारी कर चुके हैं, परंतु पेड़ों का कटाई का सिलसिला रुक नहीं पा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में फसल कटाई बाद खेतों में पेड़ों की बिक्री और कटाई का कार्य भी तेजी से शुरू हो चुका है। सेक्टर-1 और सेक्टर-4 में कुछ समय पूर्व ही लोगों ने अपने मकानों के आसपास खड़े कई पेड़ काट दिए थे। पेड़ काटने से पहले वन विभाग की ओर से कोई अनुमति नहीं ली गई थी। इसकी शिकायत डीसी अभिषेक मीणा तक पहुंची तो उन्होंने हाल ही में वन अधिकारियों को इस दिशा में ठोस कार्रवाई करने के आदेश दिए थे। विभाग की ओर से अभी तक कार्रवाई के नाम पर कुछ नहीं किया गया। इसी बीच शुक्रवार की रात बावल रोड के नजदीक महाराणा प्रताप चौक से कुछ दूरी पर एक प्लॉट में खड़े भारी-भरकम कड़े नीम के पेड़ को काट दिया गया। पेड़ काटने वालों ने रात को कटाई करने के बाद शनिवार सुबह लकड़ियों को भी गाड़ी में डालकर खुर्द-बुर्द कर दिया। पेड़ काटने के लिए विभाग की ओर से कोई अनुमति नहीं ली गई। शहर के दूसरे इलाकों में भी मौका मिलते ही लोग हरे पेड़ों पर कुल्हाड़ी चला रहे हैं। वन विभाग की ओर से हरे पेड़ को काटने की अनुमति उसी सूरत में दी जाती है, जबकि किसी के लिए पेड़ काटना अनिवार्य नजर आता है।

रेवाड़ी। बावल रोड पर काटा गया हरा पेड़, पेड़ काटने के बाद पड़ी टहनियां। फोटो :हरिभूमि

वन संरक्षक को नजर आए पेड़ के ठूंठ

बावल रोड पर रात के समय काटे गए पेड़ की जानकारी मिलने के बाद एक फोरेस्ट गार्ड ने उच्चाधिकारियों के निर्देश पर मौके पर जायजा लिया। वहां पेड़ के ठूंठ व टहनियां ही पड़ी हुई मिलीं। लकड़ियों को सुबह के समय ही गायब कर दिया गया। निरीक्षण करने के बाद फोरेस्ट गार्ड ने उच्चाधिकारियों को पेड़ काटने की रिपोर्ट दी है। गार्ड ने काटे गए पेड़ वाले स्थान की फोटोग्राफी भी की है, रिपोर्ट के साथ संलग्न किया गया है।

तुरंत लिया जा रहा पेड़ काटने वालों पर एक्शन

हरे पेड़ काटने की सूचना मिलने के बाद विभाग की ओर से तुरंत एक्शन लिया जाता है। ऐसे लोगों की पहचान करने के बाद उनके खिलाफ जुर्माना लगाने की कार्रवाई की जाती है। गांवों में पेड़ों की कटाई पर नजर रखने के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई हुई है। -संदीप कुमार, वन अधिकारी।

फसल काटने के बाद खेतों में पेड़ कटाई

फसल कटाई का कार्य पूरा होने के बाद खेत खाली हो चुके हैं। इसी के साथ कई किसानों ने खेतों में खड़े पेड़ बेचने शुरू कर दिए हैं। वन माफिया इन पेड़ों को खरीदने के बाद कोसली से लेकर झज्जर व रोहतक तक आरा मशीनों पर लड़की की बिक्री करता है। कई गांवों में वन माफिया ने पेड़ खरीदकर काटने शुरू कर दिए हैं। दिन में कटाई करने के बाद लकड़ियों को गाड़ियों में भरकर रातों-रात बेचने के लिए ले जाया जाता है, जिससे बड़ी संख्या में पेड़ भेंट चढ़ रहे हैं।

रेवाड़ी। बावल रोड पर हरा पेड़ काटते हुए। फोटो :हरिभूमि

अनुमति नहीं मिलने से भी हो रही परेशानी

कई सड़कों पर पेड़ हादसों का कारण साबित हो सकते हैं। सड़कों पर यातायात में बाधा साबित हो रहे पेड़ों की कटाई के लिए पीडब्ल्यूडी व अन्य विभागों ने अनुमति मांगी हुई है। सीहा से कंवाली रोड नया बनाया गया है, जिस पर कई पेड़ हादसों का कारण बन सकते हैं। अनुमति नहीं मिलने के कारण इन पेड़ों को नहीं काटा गया है। कई पंचायतों ने भी रास्तों पर बाधा साबित हो रहे पेड़ काटने के लिए अनुमति मांगी हुई है, परंतु विभाग की ओर से उन्हें अनुमति नहीं दी जा रही है।

खबर संक्षेप

काठूवास गांव से ट्रैक्टर की ट्रॉली चोरी

रेवाड़ी। काठूवास गांव से रात के समय चोर एक प्लॉट में खड़ी ट्रैक्टर की ट्रॉली चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में केवल सिंह ने बताया कि उसने अपनी ट्रॉली मकान से कुछ दूरी पर एक प्लॉट में खड़ी की थी। सुबह जब वह उठकर प्लॉट में गया तो उसे ट्रॉली गायब मिली। काफी पूछताछ के बाद भी ट्रॉली का पता नहीं चला। पड़ोस के सीसीटीवी कैमरे में चोर ट्रैक्टर से ट्रॉली जोड़कर ले जाते हुए दिखाई दिए, परंतु उनकी पहचान नहीं हो सकी। कसोला पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद चोरों की पहचान कराने के प्रयास शुरू कर दिए।

मारपीट मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

कोसली। पुलिस ने भड़ंगी में 7 अप्रैल को मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल में उपचाराधीन घायल के बयान पर कई आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। उसने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। जांच के बाद पुलिस ने सत्यवान, कृष्ण व पूनम देवी को इस मामले में काबू कर लिया। तीनों आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

यादव नगर में मकान से बाइक चोरी

रेवाड़ी। यादव नगर में चोर एक मकान के अंदर खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में मूल रूप से यूपी के इस्लामाबाद निवासी चांद मोहम्मद ने बताया कि वह इस समय यादव नगर में किराए का कमरा लेकर रह रहा है। रात को उसने अपनी बाइक मकान के अंदर खड़ी की थी। सुबह जब वह उठा तो उसे बाइक नहीं मिली। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चल सका। रामपुरा पुलिस ने उसकी शिकायत पर चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

युवक ने फांसी का फंदा लगाकर जान दी

बावल। कसोला क्षेत्र में किराए के मकान में रह रहे एक श्रमिक ने अपने कमरे में फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया। पुलिस के अनुसार राजस्थान के नीमड़ीवाला बदरका निवासी प्रीतम कुछ समय से किराए का कमरा लेकर रह रहा था। वह मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। उसका शव कमरे में पंखे के हुक से लटका हुआ मिला। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सीन ऑफ क्राइम टीम को मौके पर बुलाया। बाद में शव का पोस्टमार्टम करा दिया गया।

मारपीट व धमकी देने का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। जोनावास में 5 अप्रैल को एक व्यक्ति के साथ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मारपीट में घायल पीड़ित ने आरोप लगाया था कि गांव निवासी बलराम ने अन्य लोगों के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। धारूहेड़ा थाना पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने बलराम को गिरफ्तार कर लिया। उसे तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

काकोड़िया में मेघवाल समाज की बैठक आज

रेवाड़ी। मेघवाल उत्थान समिति के सचिव भूपेन्द्र शेखपुर ने बताया कि 20 अप्रैल को गांव काकोड़िया में बस स्टैंड के पास स्थित चौपाल में सुबह 10 बजे मेघवाल समाज की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में वक्ताओं की ओर से समाज हित में विचार साझा किए जाएंगे। उन्होंने समाज के लोगों से बैठक में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने की अपील की है।

मंदिर के सामने स्मैक बेचते आरोपी काबू

- उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

थाना मॉडल टाउन पुलिस ने सेक्टर-1 में शनि मंदिर के सामने नशीला पदार्थ स्मैक बेचने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस को सूचना मिली कि मोहल्ला गुर्जरवाड़ा रेवाड़ी निवासी नरेंद्र नशीला पदार्थ स्मैक बेचने का धंधा करता है। वह सोलहराही शनि मंदिर के सामने नशीला पदार्थ स्मैक बेचने के लिए खड़ा हुआ है। सूचना को सच मानकर तुरन्त रेडिग पार्टी तैयार करके बताए हुए स्थान पर पहुंच कर आरोपी को काबू करके नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम नरेंद्र निवासी मोहल्ला गुर्जरवाड़ा बताया।

रेवाड़ी। स्मैक के साथ गिरफ्तार आरोपी। फोटो :हरिभूमि

पुलिस ने मौके पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट बुलाकर उसकी तलाशी ली, तो आरोपी के कब्जे से 1.04 ग्राम स्मैक बरामद हुई। उसे मौके पर ही काबू कर लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

ऑनलाइन ट्रेडिंग से मोटे मुनाफे का लालच देकर ठगी करने वाले दो और आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

एक साल पहले शुक्रपुरा के एक व्यक्ति को ऑनलाइन कारोबार से मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर लगभग 13.40 लाख रुपये की ठगी करने के दो और आरोपियों को साइबर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया। इस मामले में पुलिस तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। गत वर्ष 2 मई को साइबर थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में ईश्वर सिंह ने बताया था कि इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट देखने के बाद वह कारोबार के सिलसिले में गत वर्ष मार्च माह में एक ग्रुप में ज्वाइन हो गया था। उसे एक व्हाट्सएप नंबर मिला था, जिससे वह ग्रुप में शामिल हो गया। उसका ग्रुप एडमिन से संवाद होना शुरू हो गया। उससे ऑनलाइन ट्रेडिंग से मोटा मुनाफा कमाने का लालच देते हुए डीमेट अकाउंट खुलवा दिया। उससे लगभग एक दर्जन ट्रांजेक्शन के जरिए 1340102 रुपये विभिन्न खातों में ट्रांसफर करा लिए। व्हाट्स एप चैट पर एक गुरप एडमिन से जब उसने पैसा वापस कराने के लिए कहा तो उसने बताया कि उसके खाते में 52 लाख रुपये प्रोफिट के रूप में जमा हो चुके हैं। इस राशि को निकलवाने के लिए उसे 10 लाख रुपये टैक्स के रूप में जमा कराने होंगे। उसने गुरप एडमिन से कहा कि वह उसके प्रोफिट से यह राशि काटकर बाकी उसके खाते में ट्रांसफर करे, परंतु वह उससे यह राशि जमा कराने का दबाव बनाता रहा। बाद में उसे ठगी का अहसास हुआ। साइबर थाना पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच करते हुए तीन आरोपियों दिल्ली के रोहिणी निवासी मुनीष बंसल उर्फ मोनू, हरेंद्र व विकास को गिरफ्तार कर लिया था। हरेंद्र के खाते में ठगी के 5 लाख रुपये ट्रांसफर हुए थे, विकास ने साइबर ठगों को फर्जी सिमकार्ड उपलब्ध कराया था।

ऑनलाइन ठगी के आरोपी जितेन्द्र व सूरज सिंह।

अब इन आरोपियों को किया पुलिस ने काबू

मामले की जांच करते हुए साइबर थाना पुलिस ने दिल्ली के कैलाश विहार सुलेमान किरारी निवासी जितेंद्र उर्फ जीतू और सूरज सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार ठगी की रकम का एक हिस्सा इन आरोपियों के बैंक खातों में भी ट्रांसफर किया गया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

ऑनलाइन टास्क से पैसा कमाने का लालच कंपनी कर्मचारी को 1.25 लाख रुपये का चूना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

ऑनलाइन टास्क से पैसा कमाने के चक्कर में एक कंपनी कर्मचारी लगभग सवा लाख रुपये ठगी का शिकार हो गया। साउथ रेंज साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद ठगी की जांच शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में यूपी के गिदौरा निवासी दीपक शर्मा ने बताया कि वह एक कंपनी में कर्मचारी है। फिलहाल वह कापड़ीवास में किराए के कमरे में रह रहा है। उसे 16 अप्रैल को एक टेलीग्राम गुरप से जोड़ा गया था। इसके बाद उसे ऑनलाइन टास्क के नाम पर मोटा मुनाफा कमाने का लालच दिया। शुरू में उसे छोटा भुगतान करने के लिए कहा गया। जो राशि उसने यूपीआई नंबर पर ट्रांसफर की, वह मुनाफे के साथ उसके खाते में आ गई। इससे उसका लालच बढ़ गया। वह कई ट्रांजेक्शन से 124600 रुपये बताए गए नंबरों पर ट्रांसफर कर बैठा। जब उसने पैसा वापस करने के लिए कहा, तो उसे बताया गया कि पैसा वापस पाने के लिए उसे और राशि का भुगतान करना होगा। उसे बाद में साइबर ठगी का अहसास हुआ। बैंक डिटेल के साथ उसने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई। साइबर थाना पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद उन खातों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए, जिनमें उसकी रकम ट्रांसफर की गई है।

जागरूकता भी नहीं आ रही काम

पुलिस विभाग की ओर से लोगों को लगातार इस बात से जागरूक किया जा रहा है कि वह ऑनलाइन टास्क से मोटा मुनाफा कमाने का लालच देने वाले लोगों के झांसे में नहीं आएं। इसके बावजूद साइबर ठग लोगों को भ्रमजाल में फंसाकर लगातार ठगी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। हर माह ऐसे दो दर्जन से अधिक मामले सामने आ रहे हैं, जिनमें लोग मोटे मुनाफे के चक्कर में अपना पैसा गंवा रहे हैं। डायल-1930 पर तुरंत कॉल करने पर पैसा बचने की संभावना रहती है। इस नंबर पर कॉल करने के बाद संबंधित खाते का पता लगाकर उसे फ्रीज करा दिया जाता है।

सब लेफ्टिनेंट बनकर गांव पहुंची हिमांशी का भव्य स्वागत

रेवाड़ी। गांव भाड़ावास निवासी हिमांशी ने इंडियन नेवी में कमीशन प्राप्त कर सब लेफ्टिनेंट के पद पर नियुक्ति पाई है। उन्होंने ऑल इंडिया पर रैंक-3 और लड़कियों में ऑल इंडिया में रैंक एक हासिल की। हिमांशी ने सब लेफ्टिनेंट के पद पर नियुक्ति पाकर गांव में पहली लड़की व रेवाड़ी में दूसरी लड़की होने का गौरव प्राप्त किया है। हिमांशी के दादा स्व. सूबेदार हरदयाल सिंह भारतीय सेना में सेवारत थे तथा पिता विश्वकर्मा वर्तमान में वायु सेवा में मास्टर वारंट ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं तथा मां सुशीला देवी गृहिणी है। हिमांशी का छोटा भाई देवांश एमएससी इनफॉरमेशन सिक्योरिटी की पढ़ाई कर रहा है तथा ताऊ अरुण कुमार, राजेंद्र सिंह और राजेश कुमार भारतीय सेना में कार्यरत रहे हैं। हिमांशी ने बीटेक कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई की है तथा उसके पास एनसीसी 'सी' सर्टिफिकेट भी है। उन्होंने प्रारंभिक तथा उच्च शिक्षा केंद्रीय विद्यालय से प्राप्त की है। हिमांशी ने इंडियन नेवल अकेडमी एझिमाला से ट्रेनिंग प्राप्त कर 11 अप्रैल को कमीशन प्राप्त किया। सर्वप्रथम गांव पहुंचने पर भाड़ावास, खरसानकी, अकबरपुर, जाटूवास, पुंसिका तथा बिलखा के ग्रामीणों व पंचायत ने हिमांशी का भव्य स्वागत किया। इस मौके पर भाड़ावास बाबा मोहनदास मंदिर के महंत महावीर दास, सरपंच सुनील स्वामी, खरसानकी की महिला सरपंच सन्नी, अकबरपुर सरपंच नेकीराम, बिलखा सरपंच संदीप, जाटूवास सरपंच महेश, पुंसिका सरपंच सतपाल यादव, ब्लॉक समिति अध्यक्ष अजीत सिंह, पवन तिवारी पंच, देवेंद्र तिवारी रिटायर्ड हरियाणा रोडवेज, राजेंद्र सिंह, मोहन सिंह, तिरमेल सिंह, गीता, निर्मला, सुशीला, माला, पूजा, रिंकी, कविता, नेहा, ममता, सोनू, मोनू, गौरव और शिवम उपस्थित थे।

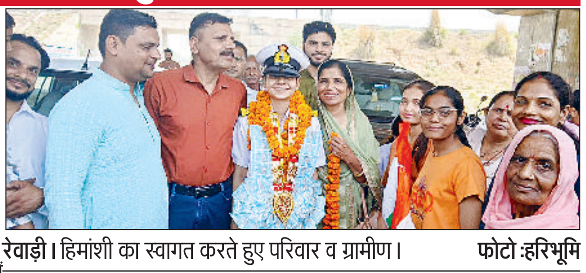

रेवाड़ी। हिमांशी का स्वागत करते हुए परिवार व ग्रामीण। फोटो :हरिभूमि

कई इलाकों में आंधी और बूंदाबांदी के बाद गिरा पारा, अगले सप्ताह तक सामान्य रह सकता है तापमान

मौसम में बदलाव से 1.0 डिग्री की राहत, हीटवेव से मिली रहेगी राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शुक्रवार शाम प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश और आंधी के बाद मौसम का मिजाज थोड़ा ठंडा पड़ गया है। तापमान में 1.0 डिग्री सेल्सियस की कमी से हीटवेव का असर कम हो गया है। रात का पारा थोड़ा चढ़ गया है। आने वाले सप्ताह में भी तापमान सामान्य रहने की उम्मीद है, जिससे लोगों को कुछ दिनों तक हीटवेव से राहत मिली रहेगी। इस दौरान तापमान 40 डिग्री के आसपास ही बना रह सकता है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 42.5 डिग्री तक पहुंच जाने के कारण झुलसाने वाली गर्मी ने परेशान करना शुरू कर दिया था। शाम और रात के समय प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश और आंधी आने के बाद मौसम ने भारी गर्मी से कुछ हद तक राहत दिला दी। जिले में 30 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं, परंतु बारिश किसी भी हिस्से में नहीं हुई। शनिवार को अधिकतम तापमान 41.5 डिग्री पर आ गया। न्यूनतम तापमान 0.9 डिग्री बढ़कर 25.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जिससे अब रात के समय भी गर्मी का प्रकोप बढ़ना शुरू हो गया है।

एक डिग्री पारा गिरने से ही शनिवार को हीटवेव का प्रकोप कुछ कम हो गया। दोपहर तक तेज धूप के कारण लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल बना रहा। शाम के समय आसमान में बादल छाने से आंधी या बूंदाबांदी की संभावना नजर आने लगी। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण अगले कुछ दिनों तक तापमान 40 डिग्री के आसपास ही बना रह सकता है, जिससे हीटवेव से कुछ हद तक राहत मिली रहेगी। अप्रैल के अंत में मौसम में बदलाव आ सकता है। अगले सप्ताह के अंत में बूंदाबांदी होने की संभावना जताई जा रही है।

रेवाड़ी। शनिवार देर शाम आसमान में छाए बरसात के बादल। फोटो :हरिभूमि

आंधी से बिजली व्यवस्था डगमगाई

शुक्रवार की रात आंधी आने के बाद जिले की बिजली व्यवस्था डगमगा गई। तेज हवाएं शुरू होते ही कई बिजली फीडर ट्रिप कर गए, जिससे शहर के एक हिस्से और ग्रामीण क्षेत्रों में अंधेरा छा गया। आंधी थमने के बाद निगम कर्मचारियों ने लाइनों की पेट्रोलिंग करते हुए फीडरों को चालू करना शुरू किया। मौसम में बदलाव के बाद बिजली की खपत में 3 लाख यूनिट तक की कमी दर्ज की गई, जिससे पावर कटों से भी राहत मिली है। तापमान 42 डिग्री के पार जाने के बाद बिजली निगम की ओर से पीक अवर्स में कट लगाने शुरू कर दिए गए थे।

ट्री ब्रांच काटने के लिए अभियान शुरू

दक्षिणी हरियाणा बिजली निगम के कर्मचारियों के लिए एचटी और एलटी लाइनों के आसपास खड़े पेड़ मुसीबत बन चुके हैं। पेड़ों की टहनियां बढ़कर बिजली की लाइनों को छूने लगी है, जिससे आंधी या बरसात के दौरान शॉर्ट सर्किट बिजली फीडरों को ट्रिप करते हैं। बरसात के दिनों में पेड़ों की टहनियां ज्यादा परेशानी पैदा करेंगी, जिस कारण निगम ने ट्री ब्रांच काटने का अभियान शनिवार से शुरू कर दिया है। इसके तहत लाइनों को छूने वाली पेड़ों की टहनियों को काटने के लिए टीमों को मैदान में उतारा गया है।

हाइब्रिड फंड्स हो सकते हैं निवेश के बढ़िया विकल्प

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

इस समय देश के इक्विटी मार्केट में भारी उतार-चढ़ाव का दौर काफी समय से जारी है। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा शुरू किए गए टैरिफ वॉर ने इसे और हवा दे दी है। इस माहौल में कई निवेशकों को प्योर इक्विटी फंड्स में निवेश करना बहुत जोखिम भरा लगने लगा है। उनके मन में यह सवाल हो सकता है कि ऐसा कौन सा विकल्प है, जहां कम रिस्क में बेहतर रिटर्न मिलने की गुंजाइश हो सकती है? उनके इस सवाल का एक जवाब हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स में भी मिल सकता है। हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स के जरिये एक ही स्कीम में पैसे लगाकर इक्विटी, डेट और कई बार गोल्ड जैसे एसेट्स में भी निवेश किया जा सकता है। इस डायवर्सिफिकेशन की वजह से रिस्क और रिटर्न के बीच बेहतर बैलेंस बना रहता है। बाजार की गिरावट के दौरान डेट में किया गया निवेश सुरक्षा देता है और जब बाजार चढ़ता है तो इक्विटी से रिटर्न बढ़ते हैं। हाइब्रिड फंड्स भी कई अलग-अलग कैटेगरी में बंटे होते हैं, जिनमें निवेशक अपने निवेश के लक्ष्य, इनवेस्टमेंट होराइजन और रिस्क लेने की क्षमता के आधार पर सही फंड का चुनाव कर सकते हैं। हाइब्रिड फंड्स की प्रमुख कैटेगरी की खूबियों के साथ-साथ उनके टॉप फंड्स के पिछले 1 साल, 3 साल और 5 साल के रिटर्न की रेंज का जिक्र किया है, ताकि उनके बारे में निवेशकों को शुरुआती आइडिया मिल जाए।

टॉप 5 फंड्स का पिछला रिटर्न

कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड : कम रिस्क में स्टेबल रिटर्न
अगर आप रिस्क से बचते हुए फिक्स्ड डिपॉजिट से थोड़ा बेहतर रिटर्न चाहते हैं, तो कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स आपके लिए सही विकल्प हो सकते हैं। इनमें 75-90 फीसदी निवेश डेट इंस्ट्रूमेंट्स में होता है और केवल 10-25 फीसदी इक्विटी में लगाया जाता है। ऐसे फंड्स तीन साल या उससे अधिक समय के निवेश के लिए बेहतर रहते हैं।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में : 10.75 % से 11.45%
- 3 साल में : 10.22 % से 11.78 %
- 5 साल में :13.11% से 14.15%
- रिस्क लेवल : मॉडरेटली हाई

बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड्स इक्विटी और डेट का बेहतर संतुलन
जो निवेशक बेहतर रिटर्न के लिए थोड़ा बहुत रिस्क ले सकते हैं, उनके लिए बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड्स बेहतर विकल्प हैं. इनमें इक्विटी और डेट का हिस्सा लगभग 50:50 होता है। हालांकि फिलहाल इस कैटेगरी में स्कीम्स की संख्या सिर्फ 2 है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में :10.56% से 11.59%
- 3 साल में: कोई फंड नहीं
- 5 साल में: कोई फंड नहीं
- रिस्क लेवल : मॉडरेटली हाई से बहुत अधिक

डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड्स (बीएएफ): एक्टिव स्ट्रैटजी का फायदा : जो निवेशक बाजार की स्थिति के अनुसार अपने पोर्टफोलियो का संतुलन बदलते रहना चाहते हैं, उनके लिए डायनैमिक एसेट एलोकेशन या बैलेंस्ड एडवांटेज फंड बेहतर साबित हो सकते हैं। ये फंड बाजार की चाल के अनुसार इक्विटी और डेट में 0 से 100 प्रतिशत तक का संतुलन बनाते हैं। हालांकि इनमें जोखिम ज्यादा होता है, लेकिन लंबे समय में अच्छे रिटर्न की संभावना भी होती है। इनमें कम से कम 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में 10.51% **to** 13.12%
- 3 साल में: 12.84% **to** 19.19%
- 5 साल में: 17.34% **to** 26.49%

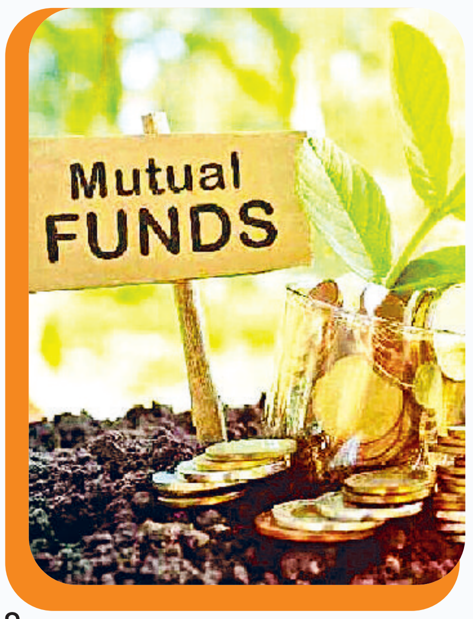

रिस्क लेवल : बहुत अधिक

मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स: डायवर्सिफिकेशन पर जोर
अगर आप अपने निवेश को अलग-अलग एसेट क्लासेज जैसे इक्विटी, डेट और गोल्ड में बांटना चाहते हैं, तो मल्टी एसेट फंड बेहतरीन विकल्प हैं। इस कैटेगरी के फंड्स में तीनों एसेट में कम से कम 10% निवेश किया जाता है। इनमें कम से कम 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

- बाजार में उथल-पुथल होने पर निवेशक घबरा जाते हैं
- प्योर इक्विटी फंड्स में पैसे लगाने से कतराने लगते हैं
- ऐसे समय में हाइब्रिड फंड्स अच्छा रिटर्न देने में सक्षम

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 11.74% **to** 16.38%
- 3 साल में: 14.31% **to** 18.11%
- 5 साल में: 18.99% **to** 31.87%
- रिस्क लेवल : अधिक से बहुत अधिक

इक्विटी सेविंग्स फंड्स: टैक्स सेविंग के साथ स्टेबल इनकम टैक्स एफिशिएंट और स्टेबल रिटर्न चाहने वाले निवेशकों के लिए इक्विटी सेविंग्स फंड सही विकल्प हैं। इनमें इक्विटी, डेट और आर्बिट्राज का मिक्स होता है। इनमें कम से कम 3 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 9.54% **to** 11.59%
- 3 साल में: 11.01% **to** 11.96%
- 5 साल में: 14.56 % **to** 16.62%
- रिस्क लेवल : मॉडरेट से मॉडरेटली हाई

आर्बिट्राज फंड्स: शॉर्ट टर्म और टैक्स एफीशिएंट
अगर आप कुछ महीनों के लिए पैसे पार्क करना चाहते हैं और टैक्स भी कम देना चाहते हैं, तो आर्बिट्राज फंड सही विकल्प हो सकते हैं। इनमें रिस्क काफी कम होता है और रिटर्न भी एफडी जैसे हो सकते हैं। इनमें कुछ महीनों से लेकर 1 साल तक के लिए निवेश करना बेहतर माना जाता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 7.96% **to** 8.03%
- 3 साल में: 7.41% **to** 7.66%
- 5 साल में: 6.20% **to** 6.34%
- रिस्क लेवल : कम जोखिम

एग्रेसिव हाइब्रिड फंड : डेट के कुशन के साथ इक्विटी में निवेश जो निवेशक पहली बार इक्विटी में निवेश शुरू करना चाहते हैं लेकिन सीधे प्योर इक्विटी फंड में जाने से घबराते हैं, उनके लिए एग्रेसिव हाइब्रिड फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं। इनका 65% से 80% तक निवेश इक्विटी में और बाकी डेट में होता है। इनमें रिस्क बाकी हाइब्रिड फंड्स के मुकाबले अधिक होता है, लेकिन बेहतर रिटर्न मिलने की गुंजाइश भी रहती है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 11.85% **to** 17.29%
- 3 साल में: 16.08% **to** 20.75%
- 5 साल में: 24.56% **to** 29.34%
- रिस्क लेवल : बहुत अधिक

अपने लिए चुनें सही हाइब्रिड फंड : बाजार की उथल-पुथल के बीच हाइब्रिड फंड्स आपके आर्थिक उद्देश्यों के मुताबिक लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट के लिए एक स्मार्ट ऑप्शन हो सकते हैं। हर कैटेगरी का रिस्क-रिटर्न प्रोफाइल अलग है, इसलिए फंड कैटेगरी को सावधानी के साथ चुनें।

क्या म्यूचुअल फंड में निवेश सबके लिए सही

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

- अगर आप भी एसआईपी के जरिये निवेश कर रहे हैं तो जान कुछ बातें
- म्यूचुअल फंड के 80% निवेशकों को नहीं पता है कि वह कहां लगा रहे पैसा
- उसका फंड मैनेजर कौन है, पूछेंगे तो सिर्फ यही बोलेंगे कि एसआईपी कर रहे

अक्सर सुनने में आता है कि सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआई) के जरिये निवेश करना सबसे बेहतर तरीका होता है। लेकिन ऐसा क्यों है। इस पर कोई विचार नहीं करता, जबकि निवेश करने से पहले पता होना चाहिए कि एसआईपी के जरिये निवेश क्यों सही है। यदि यह जानकारी आपको नहीं है तो नुकसान भी हो सकता है। निवेश करने के बाद स्कीम का परफॉर्मेंस भी समय-समय पर जांचना भी जरूरी होता है। टीवी, रेडियो, ऑनलाइन और सोशल मीडिया के जरिये 'म्यूचुअल फंड सही है' का स्लोगन हम सभी ने जरूर सुना है। आए दिन कोई न कोई क्रिकेटर, बॉलीवुड स्टार या दूसरे फिल्ड के सेलिब्रिटी म्यूचुअल फंड का प्रचार करते दिख जाते हैं। म्यूचुअल फंड सही है। लेकिन, क्या वकई में म्यूचुअल फंड सभी के लिए बिल्कुल सही है? इसका जवाब है नहीं। म्यूचुअल फंड सभी के लिए सही नहीं है। अगर आपका लक्ष्य छोटा है या उम्र अधिक है तो म्यूचुअल फंड सही नहीं है। बाजार में मौजूदा गिरावट के बाद कई लोगों का म्यूचुअल फंड का रिटर्न 3 साल बाद भी निगेटिव हो गया है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि किसके लिए म्यूचुअल फंड सही हैं और किसके लिए नहीं।

एसआईपी के फायदे

- नियमित निवेश: एसआईपी आपको नियमित रूप से निवेश करने की अनुमति देता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।
- रुपये कॉस्ट एवरेजिंग: एसआईपी आपको रुपये कॉस्ट एवरेजिंग का लाभ उठाने की अनुमति देता है, जिसमें आप बाजार की उतार-चढ़ाव के बावजूद नियमित रूप से निवेश करते हैं।
- निवेश अनुशासन: एसआईपी आपको निवेश अनुशासन बनाए रखने में मदद कर सकता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।
- लंबी अवधि के लिए निवेश: एसआईपी आपको लंबी अवधि के लिए निवेश करने की अनुमति देता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

एसआईपी के प्रकार : म्यूचुअल फंड एसआईपी: म्यूचुअल फंड एसआईपी में आप नियमित रूप से म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। **स्टॉक एसआईपी:** स्टॉक एसआईपी में आप नियमित रूप से स्टॉक में निवेश करते हैं।

आंख मूंद कर निवेश नहीं करें

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले 80% निवेशकों को नहीं पता है कि वह किस फंड में निवेश कर रहे हैं। उसका फंड मैनेजर कौन है? पूछेंगे तो बोलेंगे कि हम तो एसआईपी कर रहे हैं, जबकि एसआईपी एक जरिया है म्यूचुअल फंड में निवेश करने का। इसलिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले जानकारी जुटाएं। किसी की सलाह पर सुनी सुनाई बातों पर निवेश न कर दें। म्यूचुअल फंड में सही फंड का चुनाव करना बहुत जरूरी है। ऐसा नहीं करने पर नुकसान उठाना होगा। सही फंड चुनने के लिए आपको बाजार को समझना होगा। निवेश के तरीकों और अपने लक्ष्य को देखना होगा। यह जानना जरूरी है कि हम निवेश क्यों और किस लिए कर रहे हैं। इसलिए निवेश करते समय एक बार पूरी जानकारी जुटाएं।

जोखिम लेने की क्षमता है तो ही निवेश करें

अगर आपमें जोखिम लेने की क्षमता है तो ही म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिय निवेश करें। म्यूचुअल फंड निवेश पर मार्केट रिस्क, लिक्विडिटी रिस्क, क्रेडिट रिस्क, जीडीपी ग्रोथ रिस्क आदि होता है। अगर आप जोखिम लेने की क्षमता रखते हैं तो ही निवेश करें। अन्यथा बैंक एफडी, पीपीएफ, आरडी या दूसरी फिक्स्ड इनकम इन्वेस्टमेंट स्कीम में निवेश करें। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आपको रिटर्न मिलता रहेगा। भले की कुछ कम क्यों न हो।

रिटर्न निवेश का पैमाना नहीं

लोग अक्सर सोचते हैं कि जो फंड अभी सबसे अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, वही उनके लिए सही रहेगा। लेकिन हर म्यूचुअल फंड स्कीम अलग होती है। अगर उस स्कीम का इंवेस्टमेंट ऑब्जेक्टिव और रिस्क प्रोफाइल आपकी जरूरतों से मेल नहीं खाता, तो वह फंड आपके लिए सही नहीं है। इसलिए इन बातों का ध्यान रखना जरूरी है वरना आप झटका भी खा सकते हैं।

स्कीम को जरूर जांचें

यह जरूरी है कि आप फंड हाउस की इंवेस्टमेंट स्ट्रैटेजी, फंड मैनेजर की योग्यता, और रिस्क मैनेजमेंट प्रोसेस को भी समझें। एक ही कैटेगरी में अलग-अलग स्कीम्स का प्रदर्शन अलग हो सकता है। कोई भी निवेश करने से पहले एक बार स्कीम को जरूर जांच लें। उसके प्रदर्शन पर नजर रखें और समीक्षा करते रहें।

निगरानी करना सीखें

सही स्कीम चुन लेना ही काफी नहीं। निवेश के बाद स्कीम का परफॉर्मेंस समय-समय पर जांचना भी जरूरी है। समय-समय पर देखें कि क्या फंड आपके लक्ष्य के अनुसार चल रहा है? अगर नहीं तो उसमें बदलाव करें। अगर ये पांच काम आप कर सकते हैं तो ही म्यूचुअल फंड में निवेश करें। आप अपने पैसे को सुरक्षित भी रख पाएंगे और सही रिटर्न भी ले पाएंगे। अन्यथा आप फिक्स्ड इनकम प्रोडक्ट में निवेश करें।

पहला घर खरीदने के लिए करें फाइनेंशियल प्लानिंग

- कुछ टिप्स आपके आ सकते हैं काफी काम
- एक बड़ा डाउन पेमेंट दे सकता है राहत
- लोन की राशि और ब्याज के बोझ को कर सकता है कम
- संपत्ति के मूल्य का 20-30% बचाने का टारगेट रखें

अगर आप भी अपना पहला घर खरीदने जा रहे हैं तो कुछ बातों को पल्ले बांध लें। इससे आपको घर खरीदने में आसानी रहेगे और लोन की किस्तें भी समय पर चुका पाएंगे। बस आपको कुछ टिप्स को फॉलो करना होगा। इसके बाद अपना मकान बनाने में कोई परेशानी नहीं होगी। अक्सर देखने में आता है कि जब आप पढ़ाई करते हैं फिर अपना करियर शुरू करते हैं तो इसके बाद एक घर खरीदने के सपने को पंख लगने शुरू हो जाते हैं। ज्यादातर लोगों की ख्वाहिश होती है कि एक घर अपना हो। इसके लिए आपको काफी तैयारी करनी होती है। प्लानिंग करनी होती है। तब जाकर आप अपना घर खरीद पाते हैं। अगर आप अपना पहला घर खरीदने की सोच रहे हैं तो आपको इसके लिए पहले से कुछ तैयारियां करनी चाहिए, ताकि आगे आपके लिए किसी तरह की परेशानी न आए। इसके लिए आपको कुछ खास बातों पर गौर करना चाहिए। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसी ही कुछ जानकारी देंगे जो आपके काफी काम आएंगी।

पहले होमवर्क करना जरूरी

घर खरीदने से पहले आपको कुछ होमवर्क करना होगा। इससे आपके कई काम आसान हो जाएंगे। सबसे पहले यह तय करें कि जो मकान खरीदने जा रहे हैं वह अप्रूव्ड है या नहीं। इसके बाद उसके सभी कागज एक बार जरूर चेक करें और किसी जानकार से भी जांच करवा लें, ताकि आपके साथ कोई धोखाधड़ी न हो सके। असली मालिक कौन है। प्रॉपर्टी कौन सी जगह है। बिल्डर सही है या नहीं आद। इसके बाद आप अपने सपनों का घर आसानी से खरीद सकेंगे।

अपनी वित्तीय क्षमता को समझें

पहला घर खरीदने के फैसले से पहले आपको अपनी वित्तीय क्षमता और अपनी वित्तीय सेहत का आकलन करना चाहिए। अपनी इनकम, खर्च और बचत तय करें। यह कैलकुलेट करें कि आप मासिक किस्त (ईएमआई) के लिए कितना फंड आराम से अलॉट कर सकते हैं। टाटा हाउसिंग के मुताबिक, सामान्य नियम यह है कि आपकी ईएमआई आपकी शुद्ध इनकम के 30% से अधिक नहीं होनी चाहिए। इससे ज्यादा होगी तो आपको बाद में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने फंड का एक बार आकलन जरूर कर लें।

तैयारी

बिजनेस डेस्क

डाउनपेमेंट के लिए बचत करें

घर खरीदते समय जितना संभव हो सके डाउनपेमेंट कर देना चाहिए और बाकी अमाउंट के लिए होम लोन लेना चाहिए। डाउन पेमेंट के लिए बचत करें। एक बड़ा डाउन पेमेंट आपके लोन की राशि और ब्याज के बोझ को काफी कम कर सकता है। संपत्ति के मूल्य का कम से कम 20-30% बचाने का टारगेट रखें। इस फंड को बनाने के लिए रेकरिंग डिपोजिट या सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) जैसे ऑप्शन पर विचार कर सकते हैं।

होम लोन विकल्पों को तलाशें

अगर आपको पहला घर खरीदने के लिए डाउनपेमेंट की रकम के अलावा होम लोन लेने की जरूरत हो तो अलग-अलग बैंकों या उधारदाताओं पर शोध करें, और ब्याज दरों, अवधि विकल्पों और छिपे हुए शुल्कों की तुलना जरूर करें। प्रधान मंत्री आवास योजना जैसी सरकार समर्थित योजनाएं अतिरिक्त लाभ प्रदान कर सकती हैं।

छिपे हुए खर्च का जरूर रखें ध्यान

घर खरीदने में कई बार ऐसे खर्च आपके सामने आ सकते हैं जिसके बारे में आपको शायद पहले से पता न हो। इस वजह से छिपी हुई लागतों को ध्यान में रखें। पहली बार घर या प्रॉपर्टी की लागत और संपत्ति खरीदने के लिए किसी भी लोन के अलावा, कई खर्चे सामने आएंगे जैसे स्टाम्प ड्यूटी, रजिस्ट्रेशन शुल्क, प्रॉपर्टी टैक्स और मेंटेनेंस कॉस्ट आवश्यक विचार हैं। इनके लिए बजट बनाना वित्तीय आश्चर्यों से बचाएगा।

जल्दबाजी न करें

हर इंसान चाहता है कि वह खुद के घर में रहें। खुद का घर खरीदना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही बड़ी बात होती है। कई लोग ऐसे होते हैं, जो बैंक से होम लोन लेकर घर खरीदते हैं, तो कुछ लोग अपनी जिंदगीभर की कमाई को लगाकर घर खरीदते हैं। ऐसे में घर को खरीदते समय कभी भी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। घर खरीदते समय ऐसी कई चीजें होती है, जिनके बारे में आपको अच्छे से जान लेना चाहिए। आपको अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग काफी ध्यान से करनी चाहिए। फाइनेंस के अलावा भी ऐसी कई चीजें होती है, जिनके बारे में आपको ध्यान रखना चाहिए।

बचत फैक्टर फंडों का एयूएम 14,000 करोड़ से बढ़कर 2024 के अंत तक 40,000 करोड़ से अधिक हुआ, लोगों को खूब भा रहा

गुणवत्ता कारक निवेश : आधारभूत निवेश करने का एक अनुशासित तरीका, देश में अब इसके प्रति लगातार बढ़ता जा रहा है रुझान

जानकारी

प्रतीक ओसवाल

भारत में कारक-आधारित निवेश के प्रति रुझान बढ़ा है, क्योंकि निवेशक विभिन्न बाजार चक्रों के दौरान लाभ प्राप्त करने के लिए व्यवस्थित रणनीतियों की तलाश करते हैं। यह रणनीति पैसिव और ऐक्टिव निवेश के बीच के अंतर को पाटने का काम करती है, क्योंकि यह दोनों तरीकों में से सबसे उपयुक्त बातों को मिलाकर बनती है। पारंपरिक निवेश रणनीति, जो बाज़ार के उतार-चढ़ावों से प्रभावित हो सकती है, से अलग कारक आधारित निवेश अनुकूल विशेषताओं वाले शेयरों को पहचानने के लिए एक संरचित दृष्टिकोण देती है। भारत में फैक्टर फंडों का एयूएम पिछले वर्ष में दोगुने से अधिक हो गया है, जो एक वर्ष पहले के14,000 करोड़ रुपये की तुलना में 2024 के अंत तक 40,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। विभिन्न कारक रणनीतियों में से, गुणवत्ता कारक निवेश पर अक्सर उस अवधि के दौरान विचार किया जाता है जब मूल्यांकन अपने चरम पर होता है, विकास के अवसर कम हो जाते हैं, और निवेशक मजबूत बुनियादी बातों वाली कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करके स्थिरता की तलाश करते हैं। ऐसी अवधियों में गुणवत्ता कारक अस्थिर बाज़ार स्थितियों में कुछ हद तक लचीलापन और स्थिरता प्रदान करके निवेशकों को अनिश्चितता का प्रबंधन करने में मदद कर सकता है। स्थिरता और विकास को संतुलित करने की इसकी क्षमता के कारण बाज़ार में कम विश्वास होने पर यह एक पसंदीदा रणनीति बन जाती है।

क्या है गुणवत्ता कारक

गुणवत्ता कारक एक निवेश रणनीति है, जिसके अंतर्गत उन कम्पनियों को चुना जाता है, जिनकी बुनियादी बातें मज़बूत होती हैं। यह उन फर्मों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिनके पास लाभप्रदता, कुशल पूंजी उपयोग और वित्तीय स्थिरता का सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है। ये कंपनियां अक्सर कम अस्थिरता प्रदर्शित करती हैं, जिससे वे स्थिरता की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त बन जाती हैं।

ये अनुपात बताए

- **इक्विटी पर रिटर्न (आरओई):** यह मापता है कि कंपनी शेयरधारकों की इक्विटी से कितने प्रभावी ढंग से लाभ कमाती है।
- **ऋण-से-इक्विटी अनुपात :** यह अनुपात वित्तीय उत्तोलन और कंपनी द्वारा अपने ऋण को जिम्मेदारी सेप्रबंधित करने की क्षमता का आकलन करता है।
- **आय स्थिरता :** यह अनुपात समय के साथ कंपनी की आय की स्थिरता का मूल्यांकन करता है।
- **उपार्जन अनुपात :** यह नकदी प्रवाह प्रबंधन का विश्लेषण करके आय की गुणवत्ता निर्धारित करता है।
- इन कारकों पर ध्यान केंद्रित करके, गुणवत्तापूर्ण निवेश यह सुनिश्चित करता है कि पोर्टफोलियो में चयनित कंपनियों के पास टिकाऊ व्यवसाय मॉडल हों और वे वित्तीय संकट से कम प्रभावित हों।

सबसे लंबा बुल रन

बीएसई क्वालिटी इंडेक्स ने पांच सालों में 22% का वार्षिक प्रतिफल दिया, जो इसके मूल सूचकांक, बीएसई लार्ज मिडकैप से 4.01% बेहतर प्रदर्शन है। 2020 के दौरान, जब बाजार दूसरी छमाही में रिकवरी की राह पर था, इसने मजबूती से प्रदर्शन किया और 26% का प्रतिफल दिया। लंबी अवधि में भी, गुणवत्ता सूचकांक ने पिछले 19 कैलेंडर वर्षों में 72% मामलों में अपने मूल सूचकांक से बेहतर प्रदर्शन किया है, जो इसकी निरंतरता को दर्शाता है। यह दर्शाता है कि गुणवत्ता सिर्फ़ एक कारक नहीं है, बल्कि यह दीर्घकालिक बेहतर प्रदर्शन की तलाश के लिए एक संरचित दृष्टिकोण भी हो सकता है।

यह एक विश्वसनीय रणनीति

गुणवत्तापूर्ण निवेश अस्थिर बाजारों में बने रहने के लिए एक विश्वसनीय रणनीति है, जिसमें मजबूत बुनियादी बातों, स्थिर आय और कुशल पूँजी आवंटन वाली कंपनियों पर जोर दिया जाता है। भारतीय और वैश्विक बाजारों में मौजूदा अनिश्चितता को देखते हुए, गुणवत्ता कारक निवेशकों को दीर्घकालिक विकास के अवसरों को प्राप्त करते हुए नकारात्मक जोखिमों से बचने का एक संरचित तरीका प्रदान करता है। जैसे-जैसे निवेश के रुझान बदलते हैं, वित्तीयऔर मौलिक रूप से मजबूत कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करने से निवेशकों को आर्थिक मंदी का सामना करने और भविष्य के बाजार सुधारों में भाग लेने में मदद मिल सकती है।

क्वालिटी फैक्टर विश्वसनीय विकल्प

मजबूत वित्तीय मेट्रिक्स वाली कंपनियां आम तौर पर चुनौतीपूर्ण आर्थिक स्थितियों से निपटने और व्यापक बाजार के स्थिर होने पर तेज़ी से उबरने के लिए बेहतर तरीके से सुसज्जित होती हैं। अनिश्चित समय या शुरुआती रिकवरी चरणों के दौरान, निवेशक अक्सर सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड वाली वित्तीय रूप से स्थिर कंपनियों की ओर आकर्षित होते हैं। गुणवत्ता कारक मंदी और बाजार की रिकवरी के दौरान बाज़ार में बने रहनेके लिए विशेष रूप से प्रभावी होता है। मंदी के दौर में, इसने औसतन सिर्फ़ -27% की गिरावट का अनुभव किया, जो कम अस्थिरता कारक से थोड़ा कम है, जिसे अपनी प्रकृति के अनुसारकम गिरावट का अनुभव करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि रिकवरी चरण के दौरान, क्वालिटी फैक्टर ने 41% का संचयी वार्षिक रिटर्न दिया, जो मूल्यांकन कारक फैक्टर के बाद दूसरे स्थान पर है। यह स्थिरता इसे विभिन्न बाजार चक्रों में संतुलित प्रदर्शन की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बना सकती है।

निष्क्रिय गुणवत्ता कारक निवेश क्यों अहम

1. मानवीय पूर्वाग्रहों को दूर करता है - गुणवत्ता कारक में पैसिव निवेश मात्रात्मक डेटा पर निर्भर करता है, जो भावनात्मक निर्णय लेने से बचाता है।
2. व्यवस्थित और पारदर्शी - एक नियम-आधारित दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि इसमें केवल वित्तीय रूप से मजबूत कंपनियों को ही शामिल किया जाए।
3. बेहतर जोखिम-समायोजित प्रतिफल प्रदान करता है - गुणवत्ता निवेश कम लागत के साथ स्थिरता, लचीलापन व टिकाऊ दीर्घकालिक विकास प्रदान करता है।

इक्विटी निवेश के लिए एक अनुशासित दृष्टिकोण की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए, निष्क्रिय गुणवत्ता कारक फंड सक्रिय स्टॉक चयन के लिए एक कुशल, कम लागत वाला विकल्प हो सकता है।

स्रोत: एनएसई; बीएसई; एसीईएमएफ; एमओएएमसी

(लेखक मोतीलाल ओसवाल एसेट मेनेजमेंट कंपनी लि. के बिजनस पैसिव फंड प्रमुख हैं)

(डिस्क्लेमर : म्यूचुअल फंड निवेश बाजार जोखिमों के अधीन हैं, योजना से संबंधित सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें।)

खबर संक्षेप

रेलवे स्टेशन पर समिति की जलसेवा का शुभारंभ

कोसली। कोसली की आमजन विकास सेवा समिति की ओर से शनिवार को कोसली रेलवे-स्टेशन पर जलसेवा का शुभारंभ किया गया। समाजसेवी उदयभान डागर व पूर्व सरपंच राजेन्द्र प्रसाद झाड़ोदिया ने जलसेवा का शुभारंभ किया। समिति के प्रदीप शर्मा ने कहा कि संस्था की ओर से लगातार चार वर्षो से रेलवे-स्टेशन कोसली पर मंडी के व्यापारियों व आमजन के सहयोग आमजन जलसेवा का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने जलसेवा के लिए सहयोग राशि भेजने के लिए नाहड़ ब्लॉक समिति के चेयरमैन दुष्यंत यादव का आभार व्यक्त किया। कोसली स्टेशन अधीक्षक महेन्द्र सिंह मीणा ने स्टेशन पर जलसेवा शुरू करने के लिए समिति का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर शिव नारायण पूनिया, हंसराज, सन्नी कुमार, मन्गौरी सेवा समिति के सदस्य संदीप कुमार व सुन्दर सहित अन्य लोग मौजूद थे।

अभद्रता करने व धमकी देने पर केस दर्ज

कोसली । जखाला गांव की एक महिला ने गांव के ही पिता-पुत्र पर रास्ते में रोककर जाति सूचक शब्दों कहने, अभद्र छेड़छाड़ व जान से मारने की धमकी देने के आरोप में कोसली थाने में मामला दर्ज कराया है। महिला ने पुलिस को दी बताया कि वीरवार रात करीब 9:20 बजे वह अपने पति के साथ गांव गादला से शादी समारोह में शामिल होकर अपने घर लौट रही थी कि रास्ते में धर्मपाल ट्रैक्टर पर तथा उसका छोटा बेटा बाइक लेकर आया तथा उनको रास्ते में रोककर जातिसूचक शब्द कहते हुए गालियां दी। उसके पति को धर्मपाल के बेटे ने पकड़ लिया। इस दौरान एक गाड़ी को आता देखकर दोनों किसी को शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देकर भाग गए।

मेंटिनेंस कार्य के चलते आज बाधित रहेगी बिजली

डहीना। बुड़ौली व डहीना सब स्टेशन के बीच 132 केवीए क्षमता की ट्रांसमिशन लाइन पर बुड़ौली में हॉट प्वांट पर 20 अप्रैल को मेंटिनेंस का कार्य किया जाएगा। इसके चलते रविवार को सुबह 8 बजे से 10 बजे तक डहीना सब स्टेशन के अधीन 6 गांवों की बिजली बाधित रहेगी।

डहीना सब स्टेशन के एसएसई सुभाष यादव ने बताया कि बुड़ौली-बे पर मेंटिनेंस का कार्य किया जाना है। इसके लिए सुबह दो घंटे का शटडाउन लेने के लिए पानीपत एसएलडीसी से अनुमति ली गई है। इस दौरान डहीना सब स्टेशन के अधीन आने वाले गांवों डहीना, जैनाबाद, ढाणी ठेठरबाढ़, कंवाली व गोठड़ा गांवों की बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। 1 घंटे में पूरा कर लिया जाएगा, जिसके बाद बिजली आपूर्ति सुचारू हो जाएगी।

पुलिस लाइन में किया गया प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

हादसों में कमी लाने में सहायक ई-डार ऐप, इसका सटीक इस्तेमाल करें सुनिश्चित

एसपी मयंक गुप्ता ने सभी प्रभारियों और आईओ को दी ऐप की जानकारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

एसपी मयंक गुप्ता ने कहा कि सड़क हादसों व उनके कारणों का डाटा एकत्रित करने के लिए ई-डार ऐप का इस्तेमाल सही ढंग से इस्तेमाल करना चाहिए। इस ऐप पर डाटा अपलोड करने से न सिर्फ हादसों के कारणों की पहचान होती है, बल्कि हादसों में घायल होने या मारे जाने वाले लोगों की संख्या भी ऐप पर उपलब्ध होती है। ऐप पर डाटा अपलोड करने के लिए सभी एसएचओ, चौकी प्रभारी और जांच अधिकारी का पूरी तरह प्रशिक्षित होना अनिवार्य है। एसपी शनिवार को पुलिस लाइन में ई-डार ऐप पर आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर ऐप के एक्सपर्ट राहुल शर्मा ने भी पुलिसकर्मियों को इसके इस्तेमाल की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि ऐप पर सटीक डाटा अपलोड करने के लिए पुलिसकर्मियों का प्रशिक्षित होना जरूरी है, ताकि डाटा अपलोड करने में कोई कमी नहीं रह सके। ऐप पर सटीक जानकारी अपलोड करने का मकसद एक ओर जहां दुर्घटनाओं के कारणों का पता लगाकर उनमें कमी लाना है, तो दूसरी ओर हादसों में मारे जाने वाले या घायलों के परिजनों को समय पर दुर्घटना मुआवजा दिलाना है। उन्होंने कहा कि इस ऐप पर सड़क दुर्घटनाओं का डाटा एकत्रित करने के बाद दुर्घटनाओं के कारणों का विश्लेषण किया जाता है। इसके बाद दुर्घटनाओं में कमी लाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐप पर तुरंत जानकारी अपलोड होने के बाद सड़क हादसों में कमी लाने के लिए सड़क सुरक्षा के सुधारों को लागू करने की दिशा में कदम उठाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह ऐप सड़क हादसों में कमी लाने में काफी मददगार साबित हो रही है, परंतु डाटा अपलोड करने के लिए पूरी तरह प्रशिक्षित होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सड़क हादसों के बारे में डाटा एकत्रित होने के बाद उनका विश्लेषण आईआईटी-एम की टीम करती है। विश्लेषण के बाद टीम सड़क सुधार की दिशा में उठाए जाने वाले कदमों पर अपने सुझाव दिए जाते हैं। इन सुझावों को लागू करने से सड़क हादसों में कमी लाने में मदद मिलती है।

रेवाड़ी। पुलिस अधिकारियों को ई-डार ऐप की जानकारी देते एसपी।

विशेषज्ञ ने भी ऐप के बारे में दीजानकारी

ऐप के विशेषज्ञ राहुल शर्मा ने पुलिसकर्मियों को बताया कि आईआरएडी ऐप के माध्यम से पुलिसकर्मी सड़क दुर्घटनाओं की जानकारी एकत्रित की जा रही है। इसमें दुर्घटना का स्थान, समय दुर्घटना में शामिल वाहन, घायल या मृतक व्यक्तियों की संख्या और दुर्घटना के कारण दर्ज किए जाते हैं। पुलिसकर्मी दुर्घटना स्थल की तस्वीरें और वीडियो भी ऐप पर अपलोड करते हैं। प्रशिक्षण शिविर में सभी अनुसंधान अधिकारी, एसएचओ और डीएसपी ट्रैफिक विनोद शंकर ने हिस्सा लिया।

रेवाड़ी। रीजनल सेंटर में फिल्म मणिकर्णिका देखते हुए छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

छात्राएं रानी लक्ष्मीबाई पर आधारित मणिकर्णिका फिल्म देखकर प्रभावित

- आयोजन का उद्देश्य लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और प्रेरणा दायक कहानी के माध्यम से छात्राओं को प्रोत्साहित करना था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कृष्ण नगर स्थित महिला रीजनल सेंटर में शनिवार को सुनिता यादव ने विश्वविद्यालय के विभाग डीन स्टूडेंट् वेलफेयर की ओर से चलाई जा रही जेंडर चैम्पियन गतिविधि के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए ऐतिहासिक फिल्म मणिकर्णिका द क्वीन ऑफ झांसी दिखाई गई। आयोजन का उद्देश्य लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और रानी लक्ष्मीबाई की प्रेरणादायक कहानी के माध्यम से छात्राओं को प्रोत्साहित करना था। फिल्म में रानी लक्ष्मीबाई के साहस, नेतृत्व और देशभक्ति को प्रभावशाली रूप से दर्शाया गया है। छात्राएं उनकी शहादत और अदम्य साहस से अत्यंत प्रभावित हुईं और उनमें एक नई प्रेरणा तथा आत्मबल जागृत हुआ। इस अवसर पर रीजनल सेंटर के निदेशक प्रो. बलबीर सिंह ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विश्वविद्यालय के उस लक्ष्य को भी साकार करते है, जिसके अंतर्गत छात्राओं में नेतृत्व क्षमता और लैंगिक संवेदनशीलता विकसित की जाती है। अदम्य साहस से ओतप्रोत फिल्म देखकर अदिति, मुस्कान, सपना, कोमल व ज्योति ने कहा कि इस फिल्म से संस्कारों और देश भक्ति की भावना से राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा मिलती है।

चौदह सूत्रीय मांगों का मांगपत्र सौंपा

- आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका यूनियन के राज्य प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री के चीफ प्रिंसिपल सेक्रेट्री राजेश खुल्लर से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

एआईयूटीयूसी से संबंधित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका यूनियन के राज्य प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री के चीफ प्रिंसिपल सेक्रेट्री राजेश खुल्लर से मुलाकात करके अपना चौदह सूत्रीय मांगों का मांग पत्र सौंपा। जिला रेवाड़ी का प्रतिनिधित्व हरियाणा राज्य उप प्रधान तारा देवी ने किया। तारा देवी ने कहा कि हड़ताल के दौरान 975 टर्मिनेट आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं बहाल कर दी गई थी। उनको टर्मिनेट अवधि का वेतन दिया जाए। उन्होंने कर्मचारी का दर्जा देने, न्यूनतम वेतन 26000 रुपए लागू करने, प्रधानमंत्री द्वारा घोषित 1500 रुपए कार्यकर्ता तथा 750 रुपए सहायिका को देने, 50 प्रतिशत विभागीय पदोन्नति करने, सभी खाली पदों को भरे, लाभार्थी की ईकेवाईसी करने पर फोटो कैप्चर पर रोक लगाने, पीएमवीवीवाई का बकाया तीन साल का भुगतान करने, उचित राशन प्रत्येक केंद्र पर डालने, मोबाइल राशि 500 रुपए हर महीने देने, क्रैच का काम आंगनबाड़ी वर्कर तथा हैल्पर को न देने, आंगनबाड़ी वर्कर तथा हैल्पर को एकमुश्त पांच लाख रुपए देने एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन दस हजार रुपये देने की मांग की। कमिश्नर तथा निदेशक बाल विकास विभाग ने मांगों पर ध्यान देने का आश्वासन दिया।

राज्य उपप्रधान एवं जिला प्रधान तारा देवी ने बताया कि जल्द ही जिला सम्मेलन करके आगे की नीति निर्धारित की जाएगी।

रेवाड़ी। मांगों को लेकर चंडीगढ़ पहुंचा प्रतिनिधि मंडल। फोटो : हरिभूमि

छात्रों में व्यवसायिक कौशल विकसित करने के लिए लिए निकाली गई जागरूकता रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बीकानेर में शनिवार को जागरूकता रैली निकाली गई। अध्यापक मुकेश कुमार के नेतृत्व में आयोजित जागरूकता रैली का उद्देश्य विद्यालय के एनएसक्यूएफ विभाग के तहत चल रहे आईटी तथा बैंकिंग सहित अन्य व्यवसायिक कोर्सेज की जानकारी प्रदान करना तथा व्यवसायिक शिक्षा से होने वाले लाभ को आमजन तक पहुंचाना था। एनएसक्यूएफ प्रभारी सुमित्रा देवी ने बताया कि पूरे हरियाणा के विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों में व्यवसायिक कौशल विकसित करने के लिए 15 व्यवसायिक कोर्स उपलब्ध है। बीकानेर विद्यालय में भी आईटी तथा बैंकिंग के व्यवसायिक कोर्स के साथ-साथ वोकेशनल एक्स्पोजर कार्यक्रम के तहत विभिन्न कौशल विकसित करने की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने विद्यार्थियों से विद्यालय में दाखिल कराकर पसंदीदा कोर्स के साथ अध्ययन कर लाभान्वित होने की अपील की।

रेवाड़ी। स्कूल से रैली निकालते हुए शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

शहर को स्वच्छ-सुंदर बनाने के लिए पुराना हाउसिंग बोर्ड में चला सफाई अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी को स्वच्छ व सुंदर बनाने की मुहिम के तहत शनिवार को विधायक लक्ष्मण सिंह यादव की अगुवाई में पुराना हाउसिंग बोर्ड में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान हाउसिंग बोर्ड के पार्क में हवन भी किया गया। आई लव रेवाड़ी मुहिम के तहत आयोजित स्वच्छता अभियान में लोगों के साथ विधायक ने भी सड़कों पर झाड़ू लगाकर सफाई की। कार्यक्रम के दौरान आरबीएस स्कूल रामपुरा के विद्यार्थियों ने जागरुकता रैली निकालकर सभी को सफाई के लिए प्रेरित किया। समाजसेविका रुकमणी सहित सफाई योद्धाओं को सम्मानित किया गया तथा सभी को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। विधायक लक्ष्मण सिंह ने कहा कि स्वच्छता अभियान का यह सिल्वर जुबली कार्यक्रम था। उन्होंने कहा कि स्वच्छता में ही देवी लक्ष्मी एवं सरस्वती का निवास होता है। इसलिए हम सभी को अपने घरों के साथ-साथ गली-मोहल्ले व शहर को भी साफ-सुथरा रखें।

महिलाओं को बाल विवाह व भ्रूण हत्या का विरोध करने की शपथ दिलाई गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

महिला एवं बाल विकास विभाग नाहड़ की ओर से पोषण पखवाड़े के तहत गांव कोहारड़ स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। आंगनबाड़ी सुपरवाइजर उगंता ने महिलाओं को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, बाल विवाह व भ्रूण हत्या जैसी बुराइयों के प्रति जागरूक किया। सुपरवाइजर ने कहा कि आज के समय में बेटियां, बेटों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। वे पुरुषों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर देश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं कन्या भ्रूण हत्या जैसे जघन्य पाप का विरोध करें तथा स्वयं भी पालना करें। कार्यक्रम में महिलाओं को कन्या भ्रूण हत्या का विरोध करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर कोहारड़ गांव की महिला सुमन के बेटी होने पर कुआं पूजन भी किया गया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी वर्कर नीलम, चंद्रमुखी, सरला, आंगनबाड़ी सहायिका प्रमिला व राजेश सहित सोनम, इंदु, केला देवी, बाला, दर्शना, रेखा, अनीता व रेणु सहित अनेक महिलाएं मौजूद रही।

रेवाड़ी। महिलाओं को जानकारी देते हुए सुपरवाइजर। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

बाबा रामस्वरूपदास गोशाला में दिया चारा

कुंड। गांव सीहा की बाबा रामस्वरूपदास दादूपंथी गोशाला में शनिवार को गांव की पूर्व अध्यापिका विनोदबाला, विनयकमल, जयकमल, मीराकुमारी व मयंक यादव ने गोवंश के लिए 50 मण तूड़ा भेंट किया। परिवार पिछले कई वर्षों से गोशाला में सहयोग करता आ रहा है। इस मौके पर आश्रम के महंत नरोत्तमदास महाराज, दीपदास महाराज व मनीषदास महाराज ने सभी को आशीर्वाद दिया। नरोत्तमदास महाराज ने कहा कि गोवंश की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने कहा कि हर इंसान को धर्म कर्म के कार्यों में रुचि रखनी चाहिए, इससे परिवार में खुशहाली आती है।

लोक अदालत की ज्यादा लोगों तक जानकरी पहुंचाए

रेवाड़ी। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के निर्देशानुसार मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित वर्मा ने शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल एडवोकेट, पैरा लीगल वॉलिंटियर्स, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम तथा मेडिएटर्स के साथ बैठक करके लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा केस रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि 10 मई को होने वाली लोक अदालत की जानकारी आमजन तक ज्यादा से ज्यादा पहुंचाई जाए, ताकि लोग इसका लाभ उठा सकें। बैठक में साइबर क्राइम के बारे में भी जानकारी दी गई। डिप्टी चीफ, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम एडवोकेट यशपाल शर्मा ने जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के बारे में भी जानकारी दी। सीजेएम अमित वर्मा ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से हेल्पलाइन नंबर 01274-220062 चलाया हुआ है, जिस पर आमजन किसी भी प्रकार के कानूनी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा उच्चतम न्यायालय द्वारा आमजन के लिए चलाए गए टोल फ्री नंबर 15100 पर कॉल करके फ्री कानूनी सहायता ली जा सकती है।

प्रिया को राज्य स्तरीय निबंध स्पर्धा में सांत्वना पुरस्कार

रेवाड़ी। अहीर महाविद्यालय की अर्थशास्त्र विभाग की छात्रा ने मुकुंदलाल नेशनल कॉलेज यमुनानगर में आयोजित राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता में भाग लेकर सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया है। अर्थशास्त्र विभाग अध्यक्ष डा. अल्पना यादव ने कहा कि बीए तृतीय वर्ष की छात्रा प्रिया ने राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता में भाग भाग लेकर सांत्वना पुरस्कार प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। छात्रा की उपलब्धि पर प्राचार्य डा. उर्मिला शर्मा ने बधाई दी तथा भविष्य में उन्नति करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। डा. अल्पना ने बताया कि छात्रा प्रिया ने कृत्रिम बुद्धि विषय पर निबंध लेखन से अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया। इस मौके पर कॉलेज स्टाफ भी मौजूद रहा।

गाड़ी रुकवाकर मारपीट का आरोपी गिरफ्तार: धारूहेड़ा फ्लाईओवर पर गाड़ी रुकवाकर चाचा के साथ मारपीट करने और गाड़ी के शीशे तोड़ने के मामले में पुलिस ने आरोपी भतीजे को गिरफ्तार किया है। उसके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है। पुलिस शिकायत में गुरूग्राम के सिधरावली निवासी शकुंतला ने बताया था

सूचना

मैं, रतिराम (RATIRAM) पुत्र प्रेम सुख निवासी साल्हावास, उप तह. साल्हावास जिला झज्जर हरियाणा बयान करता हूं कि 23-08-2011 को जन्मे तथा केवीएस भाकली में कक्षा 9वीं में पढ़ रहे मेरे सगे लड़के विष्णु (VISHANU) के स्कूल रिकार्ड में दाखिले के समय जमा कराए गए जन्मप्रमाण पत्र अनुसार उसकी माता का नाम सुनीता देवी दर्ज है। जबकि माता का सही व दुरूस्त नाम सुनीता (SUNITA) है जो कि उसके संशोधित जन्म प्रमाणपत्र में दर्ज है। भविष्य में सभी उद्देश्यों के लिए विष्णु की माता का नाम सुनीता रहेगा।

नगर परिषद से ठेका लेने वाली फर्म के साथ पहले भी हो चुकी घटनाएं

गोवंश पकड़ने पर फर्म के कारिंदों के साथ छीना-झपटी व्यक्ति ने की अभद्रता, ठेकेदार ने थाने में दी शिकायत

अब तक 900 गोवंश पकड़कर गोशालाओं में भेजे जा चुके हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शहर की सड़कों पर घूमते गोवंश को पकड़ने के लिए नगर परिषद की ओर से अभियान चलाया जा रहा है। नगर परषिद की ओर से दिसंबर तक रॉयल एंटरप्राइजेज फर्म को सड़कों पर घूमते गोवंश को पकड़कर गोशाला छोड़ने का ठेका दिया हुआ है। फर्म की ओर से अब तक करीब 900 गोवंश पकड़कर गोशाला में छोड़ जा चुके है। शनिवार को फर्म के कर्मचारियों की ओर से शहर के सेक्टर-3 में सड़क पर घूम रहे गोवंश को पकड़ते समय एक व्यक्ति की ओर से छीना-झपटी की गई। यही नहीं व्यक्ति ने कर्मचारियों के साथ गाली-गलौच करते हुए अभद्रता भी की, जिसके बाद फर्म के कर्मचारियों की ओर से घटना को लेकर डीएमसी राहुल मोदी को शिकायत दी गई। डीएमसी से मिलने के बाद फर्म के ठेकेदार से व्यक्ति के खिलाफ मॉडल टाउन थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शनिवार को नगर परिषद की ओर से ठेका लेने वाली फर्म की ओर से शहर में सड़कों पर घूमते गोवंश का पकड़ने का कार्य किया जा रहा था। फर्म के कर्मचारियों ने सेक्टर-3 से एक गोवंश को पकड़कर कर रस्से से बांध लिया, लेकिन गाड़ी में चढ़ाने से पहने सेक्टर-3 निवासी महावीर नाम के व्यक्ति ने गाय को बांधा गया रस्सा पकड़ लिया और कर्मचारियों से बहस करने लगा। इतना ही नहीं जैसे-तैसे कर्मचारी गाय को गाड़ी तक ले गए तो महावीर ने रस्सा खेंचकर गाय को छुड़ाने का प्रसास किया और कर्मचारियों के साथ अभद्रता की। फर्म से मोहित ने बताया कि इसके बाद डीएमसी को शिकायत दी गई। इससे पहले भी फर्म के कर्मचारियों के साथ गोवंश पकड़ने पर दो-तीन बार छीना-झपटी की घटनाएं हो चुकी है।

रेवाड़ी। गाड़ी में चढ़ाते समय गाय का रस्सा खेंचते हुए व्यक्ति व गाड़ी के पास गाय का रस्सा पकड़े हुए व्यक्ति। फोटो : हरिभूमि

गोवंश से सड़कों पर हो रही परेशानी: डीएमसी

डीएमसी राहुल मोदी ने बताया कि शनिवार को गोवंश को पकड़ने का काम किया जा रहा था। सेक्टर-3 में नगर परिषद के तहत ठेकेदार की टीम कार्य कर रही थी। तभी एक व्यक्ति ने सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए कर्मचारियों के साथ अभद्रता की। ठेकेदार की ओर से व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। डीएमसी राहुल मोदी ने कहा कि अभियान का उद्देश्य शहर में घूमते गोवंश के कारण आवागमन में हो रही बाधा और गंदगी को कम करना है। अभियान के तहत गोवंश को पकड़कर गोशाला में भेजा रहा है। डीएमसी ने कहा कि गोवंश सड़कों पर दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं और लोगों को परेशानी हो रही है। डीएमसी के आदेश पर व्यक्ति के खिलाफ मॉडल टाउन थाने में शिकायत दी गई है।

खबर संक्षेप

सीहा की सोनू को मिली एमबीबीएस की डिग्री

कुंड। गांव सीहा निवासी सोनू यादव ने शनिवार को उपलब्धि हासिल करते हुए एमबीबीएस की डिग्री हासिल की है। कर्नाटक के बेलगांव के जवाहर लाल मेडिकल कॉलेज में आयोजित दीक्षांत समारोह में सोनू यादव को डिग्री प्रदान की गई। सोनू की उपलब्धि से गांव में खुशी की लहर है।

चोरों ने मंदिर में लगाई सेंध, एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। गोविंदपुरी गांव के करणी मंदिर में चोर ताला तोड़कर गैस सिलेंडर व नकदी चोरी कर ले गए। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर पूछताछ करने के बाद दो युवकों पर चोरी का आरोप लगाया है।

थाना खोल पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मंदिर कमेटी के सदस्य भुनेश्वर ने पुलिस शिकायत में बताया कि 18 अप्रैल को करणी मंदिर का ताला तोड़ दिया गया। चोर मंदिर के दानपात्र से करीब 3 हजार रुपये व एक गैस सिलेंडर चोरी कर ले गए। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर ही चोरों का पता लगाने के प्रयास किए, तो मामडिया आसमपुर निवासी जोगेंद्र उर्फ गेंडा व महेंद्रगढ़ के भड़फ निवासी बिट्टू के नाम सामने आए। उसकी शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर लिया। बाद में पुलिस ने बिट्टू को गिरफ्तार करते हुए पूछताछ शुरू कर दी। उसके दूसरे साथी का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

डिप्टी डीईओ बने नाहड़ के बीईओ राजेंद्र शर्मा

रेवाड़ी। नाहड़ के खंड शिक्षा अधिकारी राजेंद्र शर्मा पदोन्नत होकर उप जिला शिक्षा अधिकारी बन गए हैं।

उन्होंने उप जिला शिक्षा अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। बीईओ राजेंद्र शर्मा ने कई वर्षों तक विभिन्न विद्यालयों में बतौर प्रिंसिपल के बाद खंड शिक्षा अधिकारी नाहड़ के रूप में पूर्ण निष्ठा एवं मेहनत से कार्य किया है। बीईओ के पद पर रहते हुए शर्मा ने विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता व परियोजनाओं के क्रियान्वयन पर पूरा ध्यान दिया। प्रमोशन पर इलाके के शिक्षाविदों व संगठनों ने राजेन्द्र शर्मा को बधाई दी है।

सैनिक स्कूल में अंतरसदनीय हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

आधुनिक तकनीक के दौर में प्रभावित मानव व ग्लोबल वार्मिंग पर किया मंथन

- कार्यक्रम में वर्ग के अनुसार 12-12 प्रतिभागियों ने विषय के पक्ष-विपक्ष तथा इसके समर्थन-विरोध में अपनी दलीलें प्रस्तुत की

रेवाड़ी। वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लेते कैडेट्स तथा प्रतियोगिता के विजेता अतिथियों व शिक्षकों के साथ। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

गोठड़ा स्थित सैनिक स्कूल में सह-शैक्षिक गतिविधियों के अंतर्गत समूह 'अ' वरिष्ठ वर्ग व समूह 'ब' कनिष्ठ वर्ग के लिए प्रवीण मिश्रा टीजीटी हिंदी के नेतृत्व में अंतरसदनीय हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में वरिष्ठ वर्ग के लिए वाद-विवाद का विषय आधुनिक तकनीक मानव के सामाजिक संपर्क को समाप्त कर रही है तथा कनिष्ठ वर्ग के लिए विषय ग्लोबल वार्मिंग के लिए औद्योगिकरण जिम्मेदार है था। कार्यक्रम में वर्ग के अनुसार 12-12 प्रतिभागियों ने विषय के पक्ष-विपक्ष तथा इसके समर्थन-विरोध में अपनी दलीलें प्रस्तुत की। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रुप में रमेश चंद्र शर्मा सेवानिवृत्त प्राध्यापक व वरिष्ठ साहित्यकार मौजूद थे।

विद्यालय प्राचार्य कैप्टन ब्रिज किशोर ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। उपप्राचार्या विंग कमांडर सुनैना चाहार, प्रशासनिक अधिकारी मेजर जय सिंह राठौड़ व वरिष्ठ अध्यापक गजेंद्र सिंह चौहान भी कार्यक्रम में मौजूद थे। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका मुकुट अग्रवाल प्राध्यापक पत्रकारिता व जनसंपर्क केएलपी कॉलेज, गोपाल वशिष्ठ विभागाध्यक्ष हिंदी जैन पब्लिक स्कूल व शंभु रबिदास टीजीटी संस्कृत ने निभाई। प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग में कैडेट शशिशेखर कक्षा बारहवीं सुब्रोतो सदन ने प्रथम, कैडेट दीपक कुमार द्विवेदी अर्जन सदन ने द्वितीय तथा कैडेट सौम्य भट्ट कक्षा ग्यारहवीं ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कनिष्ठ वर्ग में कैडेट प्रशांत कुमार कक्षा आठवी करियप्पा सदन ने प्रथम, कैड़ेट चिन्मय योगदीप सिंघल कक्षा सातवीं सुब्रोतो सदन ने द्वितीय तथा कैडेट निश्चिंत प्रताप कक्षा सातवीं करियप्पा सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संयुक्त परिणामों के आधार पर सुब्रोतो सदन विजेता रहा, जबकि अर्जन सदन द्वितीय और करियप्पा सदन तृतीय स्थान पर रहा। प्रतियोगिता के आयोजक छात्र अध्यक्ष कैडेट नीरज व कैडेट दिलखुश रहे। मंच संचालन कैडेट आकाश, कैडेट कार्तिकेय सिंह दौसाद व कैडेट हर्ष दायमा ने किया। कार्यक्रम छात्र प्रभारी कैडेट आर्यन कुमार सिंह व कैडेट आर्यन थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रमेश चंद्र शर्मा ने कैडेट्स की वाद-विवाद सामग्री को उच्च स्तरीय बताया। उन्होंने कैडेट्स से एकता व अनुशासन का पालन करते हुए भारत भूमि व राष्ट्र को देव स्वरूप मानते हुए इसकी सेवा का आह्वान किया। इस अवसर पर प्राचार्य कैप्टन ब्रिज किशोर ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में बोलने और वाद-विवाद कर तार्किक क्षमता को बढ़ावा देना है।

ऐसे कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का पूरा अवसर प्राप्त होता है। सभी छात्रों को उनकी प्रस्तुति के लिए अंक दिए गए। उन्होंने कैडेट्स से इन गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने व राजभाषा को संवर्धित करने एवं इसकी गरिमा को अक्षुण्ण बनाए रखने का आह्वान किया। मुख्यातिथि ने वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को पुस्तकें व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया।

इस मौके पर अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलिंपियाड फाउंडेशन नई दिल्ली की ओर से आयोजित हिंदी ओलंपियाड प्रतियोगिता 2024 के द्वितीय राउंड तक पहुंचे 52 कैडेटों को भी स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक देकर सम्मानित किया। अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड प्रतियोगिता में सैनिक स्कूल के कक्षा छह के छात्र कैडेट आयुष सिन्हा ने विश्व स्तर पर पांचवा स्थान प्राप्त किया है, वहीं कक्षा छह के ही कैडेट चंद्रकांत ने क्षेत्रीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में समस्त शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित थे।

रेवाड़ी। प्रतिभा प्रोत्साहन एवं सम्मान समारोह में बच्चों को सम्मानित करते अतिथि व शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

काव्य पाठ में हिमालय तथा अरावली सदन का दबदबा

- सीहा स्कूल में कक्षा तत्परता अभियान के अंतर्गत आयोजित की गई प्रतियोगिताएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सीहा में कक्षा तत्परता अभियान के अंतर्गत प्रतिभा प्रोत्साहन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर काव्य पाठ तथा पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। संगवाड़ी स्कूल के प्राचार्य हरपाल सिंह कार्यक्रम के मुख्यातिथि थे, जबकि समारोह की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य सत्यवीर नाहड़िया ने की। युवा चेतना संगठन के अध्यक्ष नरेश भारद्वाज ने विशिष्ट अतिथि तथा स्कूल प्रबंधन समिति के प्रधान नरेश यादव ने स्वागताध्यक्ष की भूमिका निभाई। इस अवसर पर काव्य पाठ तथा पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करने के साथ विद्यालय से प्राचार्य के तौर पर पदोन्नत हुए मुख्य अतिथि हरपाल सिंह को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए विद्यालय, ग्राम पंचायत, स्कूल प्रबंधन समिति तथा युवा चेतना संगठन की ओर से सम्मानित किया गया। स्टाफ सचिव यशपाल आर्य के संचालन में आयोजित समारोह की विभिन्न प्रतियोगिताओं में एबीआरसी अनुराधा चौहान, प्राध्यापक दिनेश कुमार, मंजू शर्मा, सीमा यादव, लक्ष्मी यादव तथा रुचि ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। काव्य पाठ प्रतियोगिता में हिमालय तथा अरावली सदन का दबदबा रहा। पेंटिंग में नीलगिरि तथा शिवालिक सदन सर्वश्रेष्ठ रहे। वरिष्ठ प्राध्यापिका अलका यादव ने सभी को शाब्दिक अभिनंदन तथा प्राध्यापक सतपाल सिंह ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सभी स्टाफ सदस्य, स्कूल प्रबंधन समिति तथा युवा चेतना संगठन के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मांगों को लागू कराने के लिए रोडवेज कर्मचारियों की 24 घंटे की भूख हड़ताल 21 अप्रैल को

- रोडवेज जीएम के माध्यम से परिवहन मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। रोडवेज डिपो में बैठक करते यूनियन के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा रोडवेज यूनियन सांझा मोर्चा की बैठक डिपो कार्यालय में आयोजित की गई। वक्ताओं ने बताया कि 8 मार्च को रोहतक में सांझा मोर्चा के राज्य स्तरीय सम्मेलन में सरकार की कर्मचारी व विभाग विरोधी नीतियों के खिलाफ आंदोलन करने का निर्णय लिया गया था। आंदोलन के प्रथम चरण में सरकार की ओर से मानी गई मांगों को लागू कराने के लिए प्रदेश के सभी डिपो में 3 अप्रैल से 5 मई तक भूख हड़ताल की जा रही है। भूख हड़ताल में डिपो व सब डिपो के पदाधिकारियों के साथ साथ राज्य कमेटी के पदाधिकारी भी बैठेंगे। भूख हड़ताल में डिपो स्तर की समस्याओं को भी शामिल किया जा रहा है। रेवाड़ी डिपो में भूख हड़ताल 21 अप्रैल को 12 बजे से आरंभ होकर अगले दिन 22 अप्रैल को 12 बजे समाप्त होगी। इसके बाद प्रदर्शन करते हुए रोडवेज जीएम के माध्यम से परिवहन मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। आंदोलन के दूसरे चरण में 8 जून को परिवहन मंत्री के के निवास स्थान अंबाला में न्याय मार्च किया जाएगा। सभी डिपो में की जाने वाली भूख हड़ताल के लिए चार टीमें बनाई गई हैं, जिसमें राज्य कमेटी से वरिष्ठ प्रधान नरेंद्र दिनोद, जय कुंवार दहिया व जयबीर घनघस सहित अन्य साथी मौजूद रहेंगे। वक्ताओं ने डिपो के पदाधिकारियों से मानी गई मांगो को लागू कराने व निजीकरण के विरोध में की जाने वाली भूख हड़ताल में ज्यादा से ज्यादा कर्मचारियों को शामिल करने की अपील की है।

विधायक ने अनाजमंडी का किया निरीक्षण अधिकारियों को कोताही न बरतने के निर्देश

- विधायक ने निरीक्षण के दौरान कार्यालय में हाजरी रजिस्टर भी चैक किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। अनाजमंडी फसल खरीद का निरीक्षण करते विधायक। फोटो : हरिभूमि

विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने शनिवार सुबह अनाज मंडी स्थित मार्केट कमेटी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया तथा सरसों व गेहूं खरीद व्यवस्था का भी जायजा लिया। विधायक ने निरीक्षण के दौरान कार्यालय में हाजरी रजिस्टर भी चैक किया। इसके उपरांत उन्होंने श्रमिकों के लिए बनाई गई अटल कैंटीन में भोजन की गुणवत्ता की जांच की। विधायक ने अनाज मंडी में सरसों व गेहूं की फसल खरीद व्यवस्था का निरीक्षण करके अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर विधायक ने कहा कि इस समय सरसों व गेहूं की भारी आवक हो रही है। इसलिए कोई भी अधिकारी व कर्मचारी अपने कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरते। किसानों को फसल बेचने में किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं आनी चाहिए। फसलों के उठान पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

श्रीराम कुटी में सत्संग का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ धारूहेड़ा

रेवाड़ी। श्रीराम कुटी में सत्संग में मौजूद श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

धारूहेड़ा के सेक्टर-6 स्थित श्रीराम कुटी में अखंड परम धाम सेवा समिति की ओर से सत्संग का आयोजन किया गया। आचार्य स्वामी अच्युतानंद महाराज ने श्रद्धालुओं को प्रवचन दिए। उन्होंने कहा कि हमारा हर कर्म परमात्मा की उपासना के लिए होना चाहिए। मानव जीवन तभी सफल हो सकता है। स्वामी ने कहा कि मानव को संतों की संगत में रहना चाहिए तभी कल्याण हो सकता है। इस अवसर पर हवा सिंह यादव, मलूक सिंह, सुरेंद्र शर्मा, कृष्णा देशवाल, रमेश जांगिड़, गोपाल झा व मोहन जोशी सहित अनेक श्रृद्धालु मौजूद थे।

प्ले स्कूल में स्कूल रेडनेस मेले का आयोजन पेरेंट्स को दी सुविधाओं की जानकारी

खास बातें

- प्ले स्कूल में बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा दी जा रही है, जिससे बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा की नींव मजबूत हो रही

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। प्ले स्कूल में स्कूल रेडनेस मेले में मौजूद अतिथि, अभिभावक व बच्चे। फोटो : हरिभूमि

गांव घटाल महेनियावाश स्थित प्ले स्कूल में स्कूल रेडनेस मेले का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पेरेंट्स और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। मेले का उद्घाटन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रिंसिपल अजीत यादव,गांव की सरपंच सविता देवी व पंच पूनम ने किया। इस मौके पर प्रिंसिपल ने प्ले स्कूल कार्यकर्ता रेखा रानी और सहायिका सरोज की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्ले स्कूल में बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा दी जा रही है, जिससे बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा की नींव मजबूत हो रही है। सरपंच ने कहा कि सरकार की ओर से संचालित प्ले स्कूल में बच्चों के लिए निःशुल्क सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं, जिनका अधिक से अधिक लाभ उठाया जाना चाहिए। सरपंच ने प्ले स्कूल तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन से योगेश व रॉकेट लर्निंग संस्था से हिमांशु व ने पोषण के बारे में जानकारी दी। महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर रचना व एएनएम पूजा ने पेरेंट्स को सरकार की ओर से प्रदान की जा रही शैक्षिक सामग्री और सुविधाओं की जानकारी दी। मेले में रुचि, सत्यनारायण, धीरेस, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता माया, कृष्णा व बिमला सहित स्कूल का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

फायरिंग कर जानलेवा हमले का एक और आरोपी काबू

रेवाड़ी। रामपुरा थाना पुलिस ने मोहल्ला कुतुबपुर निवासी एक युवक पर फायरिंग कर जानलेवा हमला करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान मोहल्ला जसवंत नगर रेवाड़ी निवासी हितेश के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। मोहल्ला कुतुबपुर निवासी गौरव ने अपनी शिकायत में बताया था कि गत 21 जनवरी को सांय के समय वह अपने चाचा विजय के घर के नजदीक अपने दोस्त अमन, रवि व परवेश के साथ खड़ा हुआ था। उसी समय बाइक पर कुछ लड़के आए और आते ही उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी, जिससे बचने के लिए वह अपने साथियों के साथ इधर-उधर भागने लगा तथा एक घर में घुस गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

सामाजिक न्याय समिति ने पिछड़ा वर्ग की लंबित मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

- सभी भर्तियों में पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। विधायक को ज्ञापन सौंपते हुए नागरिक। *फोटो : हरिभूमि*

शनिवार को सामाजिक न्याय समिति की ओर से एडवोकेट मनोज यादव एडवोकेट रिटायर्ड ईओ की अध्यक्षता में हरियाणा में पिछड़ा वर्ग की लंबित मांगों को पूरा कराने के लिए विधायक लक्ष्मण सिंह यादव को ज्ञापन सौंपा गया। एडवोकेट मनोज ने कहा कि हरियाणा में प्रथम व द्वितीय श्रेणी की सरकारी नौकरी में वर्तमान में 15 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है, जिससे ओबीसी वर्ग के लोगों को बहुत अधिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, क्योंकि ओबीसी के लिए सभी कैटेगरी की सरकारी नौकरियों के लिए भारत सरकार की ओर से 27 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। उन्होंने हरियाणा में भी ओबीसी वर्ग को हरियाणा सरकार की प्रथम व द्वितीय वर्ग की नौकरियों में 27 प्रतिशत आरक्षण देने, पिछला बैकलॉग पूरा करने व हरियाणा कौशल रोजगार निगम द्वारा की जाने वाली सभी भर्तियों में पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति योजना के तहत ओबीसी वर्ग के उन बच्चों को जिनके परिवार की वार्षिक आय एक लाख रुपए से ज्यादा नहीं है, उनको शिक्षण संस्थानों में पूरी फीस और मेंटेनेंस अलाउंस मिलना चाहिए, जबकि हरियाणा सरकार की ओर से केवल मेंटेनेंस अलाउंस और 5000 रुपये ही दिए जा रहे हैं, जिससे ओबीसी वर्ग के लोगों को बहुत नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस आय सीमा को भी भारत सरकार के अनुसार 250000 रुपये वार्षिक किया जाए। विधायक ने उनकी मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर अनिल जांगड़ा, बाबू कैलाश चंद, शांतू कुमार रोहतक,सुरेंद्र सिंह, सुरेंद्र यादव रिटायर्ड चीफ मैनेजर, सुरेंद्र यादव प्रधान सेक्टर-4, सोम गुर्जर, विवेक व दिनेश कुमार सहित अनेक नागरिक उपस्थित थे।

हरि चरणों में लीना तन, मुक्त हुई अब निर्मल मन।
रस्म पगड़ी एवं श्रद्धांजलि सभा

स्व. श्रीमती सत्यवती सिंहल
अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी पूजनीया माताजी श्रीमती सत्यवती सिंहल धर्मपत्नी (स्व. श्री श्याम सुंदर सिंहल) गत 8 अप्रैल, 2025 को अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण करके परलोक गमन कर गई। उनकी आत्मिक शांति के लिए श्रद्धांजलि सभा तथा रस्म पगड़ी का आयोजन सोमवार, दिनांक 21 अप्रैल, 2025 सायं 3:00 बजे, लायन्स भवन, मॉडल टाउन, रेवाड़ी में होगा।
शोकाकुल परिवार
हेमंत सिंहल (सुपुत्र)
ऋषि सिंहल (सुपुत्र)
आलोक सिंहल (भतीजा)
संजीव कुमार गुप्ता (दामाद)
मयंक अग्रवाल (नवासा)
युवराज सिंहल (सुपौत्र)
प्रतिष्ठानः
सिंहल न्यूज एजेंसी, रेवाड़ी
श्री जी स्वीट्स, रेवाड़ी
टीकाराम सिंहल एंड कंपनी, रेवाड़ी
पवन इलेक्ट्रिकल्स, मुम्बई
Mob.: 9315510750 | 9215610750 | 8222881742

विशेष: पृथ्वी दिवस 22 अप्रैल

बिगड़ते पर्यावरण, बदलते जलवायु के कारण धरती के बढ़ते तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव दुनिया भर में प्राकृतिक आपदाओं के रूप में दिखने लगे हैं। इसका असर अब हमारी हेल्थ पर भी पड़ने लगा है। कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याओं से लोग ग्रस्त हो रहे हैं। इनसे कुछ हद तक बचाव के लिए जरूरी सावधानी बरतने के साथ यहां बताई जा रही बातों पर अमल करना जरूरी है।

हमारी हेल्थ को बिगाड़ रही ग्लोबल वार्मिंग

कवर स्टोरी
डॉ. माजिद अलीम

जलवायु, मौसम और बारिश के पैटर्न को ही नहीं बल्कि ग्लोबल वार्मिंग, हमारी हेल्थ और फिटनेस पर भी अब तेजी से असर डाल रही है। ग्लोबल वार्मिंग ने हमारे पर्यावरण को जिस तरह से प्रभावित किया है, उसे तो हम कई सालों पहले से जान रहे हैं, लेकिन अब हमें अपनी हेल्थ पर भी इसके असर दिखने लगे हैं।

बढ़ते हीट स्ट्रोक

हम सब जानते हैं कि ज्यादा तापमान में व्यायाम करने से शरीर में डिहाइड्रेशन होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है, इन दिनों ऐसा ही हो रहा है। पिछले दो सालों में यूरोप और अमेरिका में सबसे ज्यादा डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक के मामले सामने आए हैं। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में, जहां पहले कभी हीट वेव नहीं चला करती थी। पेरिस, न्यूयॉर्क और लंदन में भी हाल के सालों में साइकिलिंग के दौरान लोगों में हीट स्ट्रोक के केसेस 5 से 15 फीसदी तक बढ़े हैं। न्यूयॉर्क में 2023 और 2024 में हीट स्ट्रोक की जितनी घटनाएं सामने आई हैं, पिछली सदी में उसके 10वें हिस्से के बराबर भी नहीं आई थीं। जाहिर है, ये बढ़ते तापमान का नतीजा है। यही वजह है कि यूरोप और अमेरिका के ज्यादातर शहरों में अब खासतौर पर जिम की नई गाइडलाइन में एक्सरसाइज के लिए शाम और सुबह को प्राथमिकता दी जा रही है।

बिगड़ती एयर क्वालिटी

दिल्ली और मुंबई समेत देश के कई मेट्रो शहरों में पिछले तीन सालों में वायु प्रदूषण बेहद खराब स्तर का हो गया है। दिल्ली में तो प्रतिवर्ष हवा की खराब गुणवत्ता के कारण इससे बीमार पड़ने और मरने वाले लोगों की संख्या में 10 हजार से 15 हजार के बीच इजाफा हुआ है। दिल्ली में पिछले पांच सालों से हवा औसतन साल के 300 दिन सामान्य से

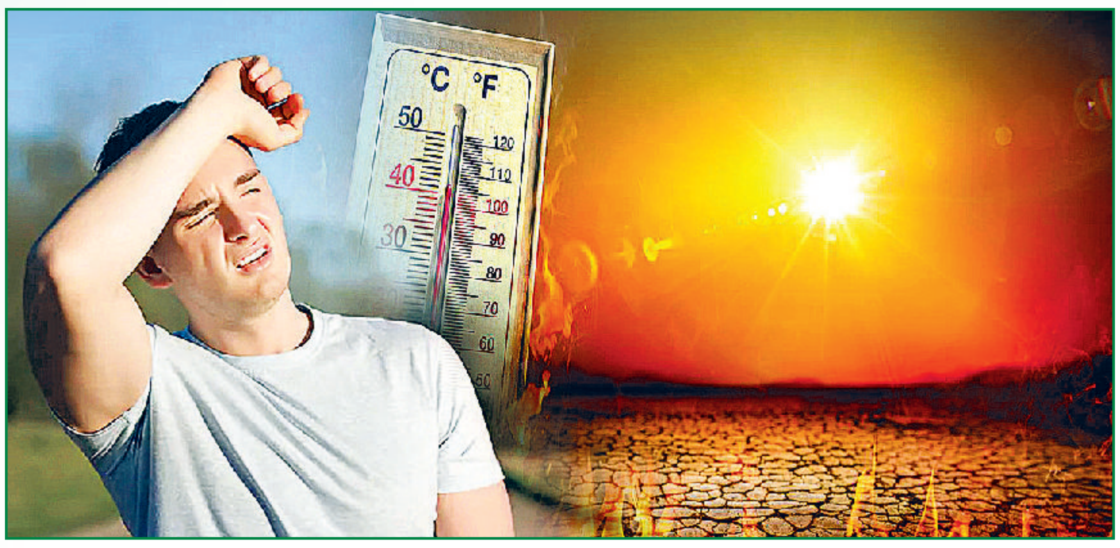

बहुत ज्यादा खराब रहती है। इसीलिए अब दिल्ली में स्वास्थ्य विशेषज्ञ, खासकर फिटनेस के जानकार, बूढ़े लोगों को सुबह के समय घर से बाहर घूमने जाने की सलाह नहीं देते हैं, क्योंकि दिल्ली में हवा इतनी प्रदूषित है कि घूमने से जो फायदे हो सकते हैं, उससे कहीं ज्यादा हेल्थ के लिए नुकसान होने की आशंका रहती है। दिल्ली जैसे वायु प्रदूषण से ग्रस्त शहर में सुबह के समय दौड़ने या खुली हवा में योग करने से सांस संबंधी बीमारियां बढ़ जाने का खतरा पैदा हो गया है। जिस तरह से ऐसे महानगरों की हवा प्रदूषित है, उससे फेफड़ों की क्षमता प्रभावित हो रही है। यही वजह है कि ऐसे प्रदूषित शहरों में कार्डियो वर्कआउट्स कम प्रभावी हो रहे हैं।

बिगड़ती मानसिक सेहत

ग्लोबल वार्मिंग के कारण सिर्फ शारीरिक परेशानियां ही नहीं बढ़ीं बल्कि मानसिक तनाव भी बहुत ज्यादा बढ़ गया है। हमारे

व्यायाम की आदतें बदल गई हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण बढ़ता हीट स्ट्रोक और तनाव हमारे मानसिक स्वास्थ्य को लगातार प्रभावित कर रहा है। दरअसल, इस ग्लोबल वार्मिंग का असर हमारी फसलों के ऊपर और हमारे पोषण की गुणवत्ता पर भी पड़ा है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण कुछ फसलें कम पैदा हो रही हैं, खासकर प्रोटीन और मिनरल्स से भरपूर फ्रूट्स का उत्पादन घटा है और इनकी कीमतें बहुत बढ़ गई हैं। महंगे होने के कारण लोग आसानी से इन्हें नहीं खा पा रहे हैं। इससे भी हमारी मेंटल फिटनेस पर असर पड़ रहा है। ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए हमें अपनी लाइफस्टाइल और डाइट का पूरा ध्यान रखना होगा। *

स्वस्थ रहने के लिए इन बातों पर करें अमल

वैज्ञानिक पिछले तीन दशकों से दुनिया भर के लोगों को आगाह कर रहे हैं कि प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। बावजूद इसके ग्लोबल वार्मिंग कम करने के लिए जितने उपाय किए जाने चाहिए, वो नहीं हो रहे हैं। इसलिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि प्रदूषण का संकट इतना गहरा हो गया है कि अब इस स्थिति में रातों-रात सुधार नहीं हो सकता है। कहने का मतलब यह है कि अब हमें इसी खराब मौसम और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के साथ जीना है। ऐसे में ग्लोबल वार्मिंग के रहते हुए अपनी सेहत और फिटनेस का ध्यान रखने के लिए कुछ बातों पर अमल करना होगा-

- व्यायाम हमेशा सुबह या शाम के समय ही करें। जब तापमान और वायु गुणवत्ता दोनों बेहतर हों।
- आउटडोर एक्सरसाइज से बचें, क्योंकि इन दिनों प्रदूषण की स्थिति काफी बिगड़ी हुई है और ग्लोबल वार्मिंग से मिलकर यह प्रदूषण और भी नुकसान करता है। इसलिए घर के भीतर या जिम में ही व्यायाम को प्राथमिकता दें।
- गर्मी वाले महीने अप्रैल, मई, जून ही नहीं जुलाई और अगस्त के महीने तक भी व्यायाम करते समय सतर्क रहें। पर्याप्त मात्रा में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन करें।
- घर से बाहर निकलते समय हमेशा पॉल्यूशन मास्क जरूर लगाएं।
- घर और ऑफिस के भीतर एयर प्यूरीफायर का उपयोग करें।
- अपने घर, गार्डन या आस-पास के पार्क में पेड़ लगाने के साथ पर्यावरण को बेहतर बनाने की दिशा में भी छोटे-छोटे कदम उठाएं।
- पिछले एक दशक से लगातार वैज्ञानिकों की चेतावनियों के बावजूद प्राकृतिक संसाधनों के दुरुपयोग और अंधाधुंध विकास की भाग-दौड़ में हमारे इर्द-गिर्द की हवा, पानी, मिट्टी, खाद्य सामग्रियां, सब कुछ प्रदूषित, संक्रमित या ग्लोबल वार्मिंग के कारण असामान्य हो गई हैं। ऐसे में व्यायाम करने, खान-पान से लेकर जीवनशैली के तौर-तरीकों पर सजगता बरतनी होगी।

आत्मप्रेरणा
राजयोगी बीके निकुंज जी

यह जानते हुए भी कि धरती के संसाधनों का अति दोहन करने से हम सभी का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा, हम सचेत नहीं हो रहे हैं। अपनी धरती को बचाए रखने के लिए बिना देर किए हम सभी को प्रकृति संरक्षण के प्रभावी प्रयास करने होंगे।

पुकार रही है प्रकृति बचा लें अपनी धरती

सदियों से प्रकृति और यह धरती, कवियों और लेखकों के लिए आराधना और प्रशंसा का विषय रही है। इसीलिए जब हम कश्मीर की सुंदर घाटी को या फिर हिमालय से बहती हुई पावन नदी गंगा के प्रवाह को देखते हैं, तब मन ही मन हमें इस बात का अहसास होने लगता है कि सचमुच ही हम मनुष्य, शक्तिशाली प्रकृति की सामर्थ्य के समक्ष कितने तुच्छ और शक्तिहीन हैं! हम सभी इस तथ्य से परिचित हैं कि धरती मां, हमारा पालन-पोषण ठीक ऐसे ही करती है, जैसे कोई माता अपनी संतान का। आहार जुटाने से लेकर जीवन के लिए जरूरी अनेक कार्य प्रकृति पूरी तत्परता के साथ निभाती है। मान लीजिए, यदि वह अपने इस नित्य कार्य को करना बंद कर दे, तो फिर हम मनुष्यों का क्या हाल होगा, इसकी कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं।

बढ़ रही प्राकृतिक आपदाएं: पिछले डेढ़-दो दशक में समस्त संसार में हुई प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओ को देखते हुए इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता हैं कि प्रकृति वर्तमान में हम मनुष्यों से बड़ी रुष्ट है और अगर हमने अपने आप में परिवर्तन नहीं किया तो उसके भयावह परिणाम सामने आ सकते हैं। हाल ही में भारत के कुछ पर्वतीय क्षेत्रों में बादल फटने की घटनाओं और भारी

बारिश के कारण स्थानीय लोगों को अपना घर छोड़कर सरकारी टेंटो में जाकर रहने की नौबत आई, जिसके चलते उनके मन में प्रकृति के प्रति शिकायत का भाव देखा गया। लेकिन हम इंसान अकसर यह भूल जाते हैं कि प्राकृतिक आपदाओं और धरती की बिगड़ती मौजूदा हालत के जिम्मेदार हम खुद ही हैं।

रोकनी होगी वृक्षों की कटाई: पर्यावरण विशेषज्ञों के मतानुसार बादल फटने की घटना का गहरा संबंध वन की अनियंत्रित कटाई से होता है, जिसे साधारण भाषा में वनोन्मूलन या डिफॉरेस्टेशन कहते हैं। वनस्पति विशेषज्ञों द्वारा किए गए अनुसंधान से यह सिद्ध हुआ है कि पहाड़ी इलाकों में आए दिन होने वाली बादल फटने की घटनाओं और उससे होने वाली तबाही को कम करने के लिए समुद्र तल से 4000 से 8000 फुट की ऊंचाई पर अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाए जाने चाहिए। परंतु दुर्भाग्यवश पर्यटन में सुधार करने के लिए हम वृक्ष लगाने के बजाय, वृक्षों को काट रहे हैं और जंगलों का नाश कर रहे हैं, जिसका सीधा असर प्रति वर्ष नदी तटीय इलाकों में बसे गांव या शहरों में होने वाली बाढ़ के रूप में हमें देखने को मिलता है।

हम सब करें प्रकृति संरक्षण: श्रीमद भगवदगीता के तीसरे अध्याय में कहा गया है-

देवान्भावयतानेन ते देवा भावयन्तु वः।
परस्परं भावयन्तः श्रेयः परमवाप्स्यथ॥

अर्थात तुम सब यज्ञ कर्मों द्वारा देवताओं की उन्नति करो और वे देवता तुम लोगों की उन्नति करेंगे। अब यदि आज के समय में इस श्लोक का भावार्थ किया जाए तो देवताओं को प्रसन्न रखने का अभिप्राय यहां प्रकृति को संतुलित एवं व्यवस्थित रखने से भी है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रकृति, दैवीय शक्तियों की क्रीड़ा भूमि है और उसके अनुदानों से विश्व-वसुंधरा पुष्पित, पल्लवित होती तथा समुन्नत बनती है। इसलिए हम सभी मनुष्यों के लिए यह अनिवार्य है कि अपने कल्याणार्थ प्रकृति के साथ विवेकसम्मत व्यवहार करें और उसके आशीर्वाद का पात्र बनें न कि श्राप का। अच्छे कर्म का फल अच्छा मिलता हैं और बुरे का बुरा, यह सर्वविदित है। कहने को तो यह सिद्धांत पुराना पड़ गया है किंतु इसके पीछे छुपा तथ्य सनातन है और यह सिद्धांत सृष्टि के कण-कण में आज भी विद्यमान है। अतः यदि हम धरती मां के साथ सम्मानजनक व्यवहार करेंगे तो हमें उतना ही प्यार और स्नेह उनसे प्राप्त होगा। लेकिन अगर हम उसके संसाधनों का दुरुपयोग करना जारी रखेंगे, तो फिर हमें भूकंप, बाढ़, अकाल, भूस्खलन जैसे प्राकृतिक प्रकोपों का सामना करना ही पड़ेगा। *

संकट
नरेंद्र शर्मा

अब समय आ गया है कि हम सब पृथ्वी की बदतर होती स्थिति को लेकर केवल चिंता न प्रकट करें, उसे सुधारने के लिए कारगर कदम भी उठाएं।

चिंता जताने से नहीं सुधरेगी पृथ्वी की सेहत

हर साल 22 अप्रैल पृथ्वी दिवस के अवसर पर पूरी दुनिया के 190 से ज्यादा देश मिलकर पृथ्वी की दिनों-दिन बिगड़ती सेहत पर चिंता व्यक्त करते हैं, इसे सुधारने का आह्वान करते हैं, नई-नई नीतियां बनाते हैं, लेकिन नतीजा न केवल वही रहता है बल्कि लगातार धीरे-धीरे पृथ्वी की सेहत बद से बदतर होती जा रही है।

बीत गई आधी सदी: पहली बार 22 अप्रैल 1970 को अमेरिका में दुनिया के कई पर्यावरणविद जुटे थे और उन्होंने चेताया था कि अगर औद्योगिकीकरण के चलते हमारी नदियां इसी तरह कचरे से पटती रहीं, हवा में जहर इसी तरह घुलता रहा, पेड़ कटते रहे और ग्लेशियरों की बर्फ पिघलती रही, तो जल्द ही यह धरती इंसानों के रहने लायक नहीं बचेगी। जब वैज्ञानिकों ने पहली बार यह सब चेतावनी के तौर पर ऊंचे स्वर में कहा तो एक स्वाभाविक चिंता बनी और दुनिया की करीब-करीब हर सरकार ने पृथ्वी को बचाने के लिए संकल्प लिया। लेकिन इस सबके बाद भी नतीजा सकारात्मक बिल्कुल नहीं रहा। 1970 में वैज्ञानिकों ने पृथ्वी की सेहत को जिस तरह बिगड़ते हुए पाया था, इन 55 सालों में एक बार भी स्थिति उससे बेहतर नहीं हुई, लगातार पृथ्वी की सेहत खराब ही होती जा रही है।

बातें नहीं लेना होगा एक्शन: इस साल पृथ्वी दिवस पर पृथ्वी को बचाने के लिए विशेषज्ञों ने जिस थीम का आह्वान किया है, वह है-हमारी शक्ति, हमारा ग्रह। हमारी शक्ति से आशय सरकार, उद्योग या वैज्ञानिकों की शक्ति नहीं है बल्कि इसका भाव यह है कि ये हमारी आदतें, हमारा आचरण और ये हमारा उपभोग ही है, जो अंततः हमारी पृथ्वी की सेहत पर असर डालता है। कुल मिलाकर यह कि यह हमारी चुनाव की शक्ति है कि हमें वास्तव में पृथ्वी को बचाने के लिए कुछ करना है या बड़ी-बड़ी बातें ही करनी हैं। चूंकि पृथ्वी एक भौगोलिक क्षेत्र भर नहीं है, यह एक जीवंत ग्रह है, इसलिए अगर हमने पृथ्वी को बचाने के लिए किसी जीवित इंसान की तरह ईमानदारी से कोशिश नहीं किया तो जल्द ही वह समय आएगा, जब हमारी सारी समझदारी और सारी जानकारी के बावजूद पृथ्वी की हालत सुधरेगी नहीं।

सबसे बड़ा खतरा प्लास्टिक: आज की तारीख में धरती को सबसे ज्यादा खतरा प्लास्टिक से है। प्लास्टिक के खतरे को हम कई दशकों से जानते हैं और लगातार सरकारें प्लास्टिक के कम से कम इस्तेमाल का आह्वान करती रही हैं। भारत जैसे देश में तो हाल के कुछ सालों में कितनी ही बार प्लास्टिक के इस्तेमाल में तरह-तरह के प्रतिबंध लगे हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि प्रकट रूप में प्लास्टिक से बचने के लिए दिन-रात किए जा रहे आह्वानों, प्रतिबंधों और नीतियों के बावजूद प्लास्टिक का इस्तेमाल घटने की बजाय दिन-पर-दिन बढ़ता ही जा रहा है। आज हर साल 40 करोड़ टन से भी ज्यादा प्लास्टिक का उत्पादन होता है और इसमें से 50 फीसदी सिंगल यूज प्लास्टिक होता है, जो पृथ्वी की सेहत के लिए सबसे खतरनाक है। धरती की तो छोड़िए अब समुद्र भी इस प्लास्टिक से पट गया है। सिर्फ जमीन और समुद्र ही नहीं दुनिया के किसी देश में शायद ही ऐसा खान-पान बचा हो, जिसमें बड़े पैमाने पर माइक्रोप्लास्टिक के टुकड़े घुल-मिल न गए हों। यहां तक कि नवजात शिशुओं के रक्त में भी प्लास्टिक के कण पाए गए हैं। आखिर ये स्थितियां किस बात की सूचक हैं? शायद इसी बात की कि हम चिंता तो खूब प्रकट करते हैं, आह्वान भी खूब करते हैं, लेकिन अमल बिल्कुल नहीं करते। ऐसे में भला पृथ्वी की सेहत सुधरेगी भी तो कैसे?

हवा-पानी सब प्रदूषित: देश की राजधानी दिल्ली समेत देश के कई महानगर अकसर भयावह वायु प्रदूषण से ग्रसित रहते हैं। यही हाल हमारी नदियों का भी है। गंगा, यमुना जैसी जीवनदायिनी नदियां, पर्यावरणविदों की दिन-रात जताई जा रही चिंता के बावजूद प्रदूषण से दम तोड़ रही हैं। पहले तो इनमें औद्योगिक ईकाइयों का गंदा पानी ही शामिल होकर इन्हें जहरीला बना रहा था, लेकिन अब तो हमारी इन नदियों में भी प्लास्टिक एक बड़ा खतरा बन गया है। जिस तरह से लगातार हिमालयी ग्लेशियर पिघल रहे हैं, उससे यह स्थिति कभी पैदा हो सकती है कि गंगा नदी सूख जाए या कि मौसमी नदी बन जाए।

हमारा संकट यह है कि हम एक तरफ जहां पृथ्वी के बिगड़ते स्वास्थ्य को देखकर चिंतित हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हम अपने उपभोग का तौर-तरीका नहीं बदल रहे। अगर हमने अपने जीवनशैली से जरा भी समझौता नहीं किया तो पृथ्वी की सेहत को लेकर चाहे जितनी चिंता प्रकट करें, इसे बचा नहीं सकते। *

गजल
हबीब कैफी

क्या हुआ जो बात करना हमको आया ही नहीं
फिर भी चेहरे पर कोई चेहरा लगाया ही नहीं

आप तो क्या चीज हैं पत्थर पिघल जाते जनाब
गीत कोई दिल से अब तक हमने गाया ही नहीं

मुस्कुराया वो मेरे कुछ पूछने पर इस तरह
कुछ बताया भी नहीं लेकिन छुपाया ही नहीं

रोज आता है यहां वो रात के पिछले पहर
नींद से लेकिन कभी उसने जगाया ही नहीं

क्या डराएगा कोई साया हमें 'कैफी' यहां
उसके हम बंदे हैं साहिब जिसका साया ही नहीं

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं।

मास्साब का डबल मजा

मास्साब वार्षिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का कई दिनों से केंद्रीय कक्ष में सामूहिक मूल्यांकन कर रहे थे। लेकिन आज की कॉपी की जंचाई में मास्साब को बहुत मजा आया। वह प्रायः उत्तर पुस्तिकाएं पढ़कर नंबर नहीं दिया करते थे। उनके अपने कुछेक प्रिंसिपल्स थे। इनको मास्साब ने अपने ही विद्यालय के पूर्व प्रिंसिपल से उत्तराधिकार में ग्रहण किया था। मगर आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं।

मास्साब कॉपियां जांचने बैठे। पहली उत्तर पुस्तिका खोली, तो उनकी आंखें ऐसी फैलनी शुरू हुईं कि वे सिकुड़ने का नाम ही नहीं ले रही थीं। मास्साब ने जेब से चश्मा निकाला। किसी तरह अपनी विजन की व्यापकता को कंट्रोल किया। दरअसल, मास्साब चक्षु बंद करके नंबरादि दिया करते थे, इसीलिए वह कॉपी जांचते टाइम चश्मा नहीं लगाते थे।

पहली ही उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ इतना मनमोहक! किसी फिल्मी पत्रिका के कलर्ड कवर को मात देता हुआ एक रंगीन हार्ट का चित्र अंकित था। मास्साब ने चश्मा नहीं उतारा। परीक्षार्थी की हैंड राइटिंग तो और भी ब्यूटीफुल थी। अंकित था, 'हे अंकस्वामी, मैंने आज अपना दिल खोलकर आपके सामने फैला दिया है। मेरा आगामी

फ्यूचर आपके हाथ है। उबार लीजिए, चाहे डुबा दीजिए।' साथ में एक सौ रुपए का करारा नोट नत्थी था। मास्साब ने गहरी सांस ली। चतुर्दिक देखा। सहकर्मी परीक्षक परीक्षार्थियों का भविष्य दुरुस्त करने में तल्लीन थे। मास्साब की नीयत का मोर, मूल्यांकन कक्ष के जंगल में नाच उठा। जैसा कि होता है, जंगल में मोर नाचा, किसने देखा? सो किसी ने नहीं देखा। सौ का वह नोट मोरपंख बनकर मास्साब की जेब में घुस गया। आज की कॉपी जंचाई में मास्साब को सचमुच बड़ा मजा आया।

अगली तीन-चार कॉपियां ठीक-ठाक बच्चों की थीं। मास्साब को वे सब घामड़ लगे और महाबोर भी। उन्होंने थोड़े मार्क्स दे मारे। किंतु पांचवीं कॉपी झन्नाटेदार थी। उसमें लिखा हुआ था, 'हे संकटमोचक सर या मैडम (क्योंकि मुझे पता नहीं है), जब आप मेरे को भरपूर नंबरों से पास कर दीजिएगा, तब लास्ट पेज खोलिएगा। आपको पांच सौ रुपए का एक नोट दिखेगा। मैंने उत्तीर्ण होने की मनौती मान रखी है। आप भगवान को मेरी तरफ से प्रसाद जरूर चढ़ा दीजिएगा।'

मास्साब ने तत्काल उस विद्यार्थी की कॉपी में पूर्ण लब्धांक टांके। मंदिर कौन जाए? उन्होंने चपरासी को बुलाया और बगल के हलवाई के यहां से दो सौ रुपए के लड्डू मंगवाए। सहयोगी शिक्षक-शिक्षिकाओं के मध्य मिष्टान्न वितरण कराया। बाकी के लडडू घर के लिए अपने बैग के हवाले किए। आज मास्साब का मजा सचमुच डबल हो चुका था। *

लघुकथा / यशोधरा भटनागर

मैं चाहता हूं

काका, खाना तैयार हो गया? सभी मेहमानों को पहले सॉफ्ट ड्रिंक्स और स्नैक्स दीजिएगा। मेहमान भी आते ही होंगे।' हाथ में ब्रेसलेट को लॉक करते हुए मैंने काका से पूछा।

'हओ बहू जी! बस अब्बई लगाए दे रहे।' लॉन का चक्कर लगा कर सारी तैयारियां देख लीं। रोशनी की झिलमिलाती लड़ियां भी सभी अपने-अपने स्थान पर जगमगा रही थीं। बेटे बंटू के जन्मदिन को हम खूब धूमधाम से मनाना चाहते हैं आखिर वह हमारा इकलौता बेटा है। अपने दादी-दादी सबका बहुत दुलारा है।

उत्सव की सारी तैयारियां हो चुकी थीं। मम्मी जी, पापा जी, रवि सभी रेडी होकर लॉन में लगी चेयर्स पर बैठे अपने-अपने मोबाइल फोन में व्यस्त थे। मुझे भी ऑफिस एक अर्जेंट मेल करना है। सुबह से समय ही नहीं मिला। जल्दी से वह काम भी कर लेती हूं। बंटू को भी रेडी कर दिया है। मेहमानों के आने तक और कोई काम भी नहीं है।

तभी मेरा ध्यान बंटू की ओर गया, झपझपाती लाइटों से चमचमाते पारिजात के पेड़ के नीचे गुमसुम बैठा हुआ है। 'बंटू बेटा, व्हाट हैप्पंड? टुडे इज योर बर्थ डे! सो एंज्वॉय बच्चे।' बंटू के गालों को प्यार से थपथपाते हुए मैंने कहा।

'किसके साथ?' सूनी आंखों से मुझे देखते हुए वह धीरे से बोला।

'ओह बंटू! मुझे बताओ आप क्या चाहते हो?' उसे मनाने के अंदाज में मैंने उससे पूछा। 'मम्मी मैं मोबाइल फोन बनना चाहता हूं। भगवान जी मुझे मोबाइल फोन बना देते तो मैं...।' 'व्हाट..!' मैं सिर से पैर तक झनझना उठी। *

परंपरा / शिखर चंद जैन

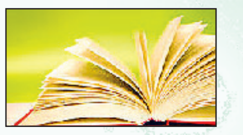

विशेषः विश्व पुस्तक दिवस, 23 अप्रैल

दुनिया भर के अनेक लोग पुस्तकें पढ़ने का शौक रखते हैं। पुस्तक पढ़ने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न देशों में कुछ अनोखी और आकर्षक साहित्यिक परंपराएं निभाई जाती हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसी परंपराओं के बारे में।

दुनिया भर में मशहूर पुस्तक प्रेम की अनोखी परंपराएं

क्रास्नोयार्स्क पुस्तक संस्कृति मेला रूस

अपनी अनोखी पुस्तक-संबंधी प्रदर्शनियों और प्रतिष्ठानों के लिए प्रसिद्ध रूस का यह मेला साइबेरिया की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है और विभिन्न साहित्यिक विधाओं के अन्वेषण को प्रोत्साहित करता है। साइबेरिया के आश्चर्यजनक परिदृश्यों के बीच स्थित, रूस का क्रास्नोयार्स्क पुस्तक संस्कृति मेला, साहित्यिक समारोहों की दुनिया में बहुत महत्व रखता है। यह मेला, न केवल लिखित शब्दों का उत्सव मनाता है, बल्कि क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी संजोता है। रूसी साहित्य, स्वदेशी कहानी और अंतरराष्ट्रीय प्रभावों के अनूठे मिश्रण के साथ यह मेला पुस्तक प्रेमियों और संस्कृतिकर्मियों के लिए एक अनूठा अनुभव प्रदान करता है। विविध पुस्तक स्टालों से भरे व्यस्त बाजारों से लेकर साहित्यिक परिदृश्य पर गहन विचार-विमर्श तक, आगंतुकों को शब्दों की दुनिया में एक गहन यात्रा का आनंद मिलता है। *

जोला बोका फ्लड आइसलैंड

आइसलैंड के अधिकांश लोग नियमित रूप से किताबें पढ़ते हैं। वे किताबें लिखने में भी आगे रहते हैं। जोला बोका फ्लड के नाम से मशहूर 'क्रिसमस बुक फ्लड' समारोह साल के अंत में एक हफ्ते तक आयोजित होता है, जिसमें आइसलैंड के नागरिक एक-दूसरे को किताबें उपहार में देते हैं। अकसर क्रिसमस की पूर्व संध्या पर, इन पुस्तकों का आदान-प्रदान किया जाता है और फिर तुरंत पढ़ा जाता है। जोला बोका फ्लड, वाक्यांश खरीदी गई नई पुस्तकों की 'बाढ़' को भी संदर्भित करता है। आइसलैंडवासी कहते हैं, 'एड गंगा मेड बोक आई मैगनम', जिसका भावार्थ होता है 'हर किसी के अंदर एक किताब होती है।' *

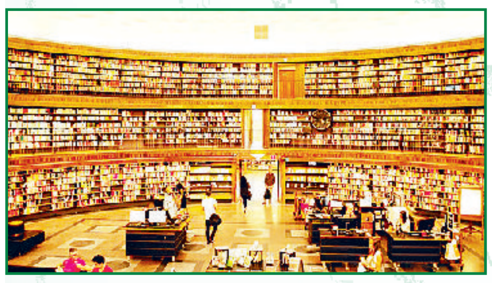

पढ़ने के साथ आनंद के पल स्वीडन

स्वीडिश लोग आराम के समय किताबें पढ़ना सबसे अधिक पसंद करते हैं। खासतौर पर सर्दियों की लंबी, अंधेरी रातों में स्वीडिश लोग गर्म पेय के साथ कंबल के नीचे दुबके हुए अपनी पसंदीदा किताब पढ़ना खूब पसंद करते हैं। स्वीडन में स्थित अधिकतर पुस्तकालय, अकसर रीडिंग नाइट्स की मेजबानी करते हैं, जिससे सामुदायिक जुड़ाव और साहित्य के प्रति साझा प्रेम को बढ़ावा मिलता है। *

पाठकों की पुस्तक परियां इटली

इटली निवासी अपनी पढ़ी हुई किसी किताब को अपने पास डंप नहीं करते हैं। जब वे अपनी खरीदी हुई पुस्तक पढ़कर समाप्त करते हैं तो पुस्तक को वापस शेल्फ पर रखने के बजाय, वे इसे विशेष स्टिकर और हरा रिबन लगाकर किसी और के लिए सार्वजनिक स्थल पर छोड़ देते हैं। इन किताबों को ट्रेन स्टेशनों, कॉफी की दुकानों, पार्क की बेंचों और अन्य जगहों पर छोड़ दिया जाता है ताकि कोई दूसरा पाठक इन्हें पाकर पढ़ सके। इन्हें पुस्तक परियां कहते हैं। कुछ लोग अपनी किताबों को पार्क की बेंचों के नीचे, स्टोर के साइन बोर्ड के पीछे या बस स्टेशनों में छिपाकर रखना पसंद करते हैं। ताकि उस किताब का दीवाना कोई पाठक उसे पाकर पढ़ सके। पढ़ने के बाद वह फिर से रिबन को लपेटकर अन्य पाठक के लिए दूसरी जगह रख सकता है या पुस्तक को अपने निजी पुस्तकालय के लिए सहेज सकता है। *

स्टोन सूप हैप्पी रीडिंग एलायंस चीन

चीनी प्राथमिक विद्यालयों में बेहतर साहित्यिक निर्देश और संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए 2007 में स्थापित, स्टोन सूप हैप्पी रीडिंग एलायंस का मिशन है 'पढ़ने को वैसा बनाना है जैसा कि होना चाहिए- खुशहाल, मुफ्त और स्वैच्छिक।' छात्र अपनी पसंद की विशिष्ट सामग्री चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। किताबों की गाड़ियां कक्षाओं

से पुस्तकालयों तक लाई जाती हैं और शिक्षक अकसर अपने छात्रों को रोचक पुस्तकें खुद पढ़कर सुनाते हैं। इच्छुक छात्र उन किताबों से प्रेरित होकर नाटक या नाटकीय व्याख्याएं लिखते हैं और उन पर अभिनय भी करते हैं, जो उन्होंने पढ़ी होती है। *

नैनोविमो, संयुक्त राज्य अमेरिका

नैनोविमो आयोजन के तहत लोगों को 30 दिनों में 50,000 शब्दों का उपन्यास लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। 1999 में एक पर्सनल डेवलपमेंट चैलेंज के रूप में शुरू हुआ यह कार्यक्रम इंटरनेट पर एक पॉपुलर इवेंट बन गया है। आधिकारिक तौर पर नैनोविमो, एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो पूरे देश और दुनिया के लेखकों को मजेदार कार्यशालाओं, युक्तियों और ऑनलाइन फोरम के माध्यम से जोड़ता है। यह फोरम उपयोगकर्ताओं को अन्य लेखकों से प्रश्न पूछने, टेंप्लेट एक्सेस करने और कार्यशालाओं के लिए साइन अप करने की अनुमति देते हैं। कोई भी व्यक्ति, चाहे वह शेफ हो या मैकेनिक, घर पर रहने वाले माता-पिता या शिक्षक, इसमें भाग ले सकते हैं। *

पुस्तक प्रेमियों की सबसे पसंदीदा जगह होती है, पुस्तकालय, जहां जाकर वे मनचाही किताबें पढ़ते हैं। यहां हम आपको एक ऐसी लाइब्रेरी के बारे में बता रहे हैं, जो अपने पाठकों तक खुद पहुंचती है। जानिए, उत्तराखंड की अनोखी घोड़ा लाइब्रेरी के बारे में।

दूर-दराज तक किताबें पहुंचाती घोड़ा लाइब्रेरी

अनोखी पहल
डॉ. दीपक कोहली

घोड़ा लाइब्रेरी से अपनी मनपसंद किताबें चुनते युवा पाठक

लाइब्रेरी, यानी पुस्तकालय। एक ऐसी जगह, जहां ज्ञान-विज्ञान, साहित्य, कला, दर्शन आदि अनेक विषयों से संबंधित पुस्तकों को सहेजकर रखा जाता है। वैसे तो दुनिया में एक से बढ़कर एक पुस्तकालय हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे चलते-फिरते पुस्तकालय के बारे में बता रहे हैं, जो अपने अनूठेपन के कारण पुस्तक प्रेमियों के बीच बहुत चर्चित है।

कहां है घोड़ा लाइब्रेरीः उत्तराखंड के नैनीताल की 'घोड़ा लाइब्रेरी' अपने अनूठे शिक्षा अभियान विस्तार कार्यक्रम के लिए लोगों के बीच चर्चित हो रही है। वैसे तो यह मुख्य रूप से बच्चों के लिए शुरू की गई लाइब्रेरी है, लेकिन अपने अनोखेपन के कारण बड़ों के बीच भी कौतुक का विषय बना हुआ है। बच्चों के साथ-साथ बड़े भी इस लाइब्रेरी का लाभ उठाते हैं।

ऐसे नाम पड़ाः इस पुस्तकालय का नाम घोड़ा लाइब्रेरी इसलिए पड़ा क्योंकि एक घोड़ा अपनी पीठ पर किताबों की गठरी लेकर नैनीताल के कई गांवों में घूमता रहता है। घोड़ों के जरिए सड़क से दूर बसे दुर्गम गांवों के बच्चों के लिए किताबें पहुंचाई जा रही हैं। इनमें कोर्स की किताबों के साथ मनोरंजक और ज्ञानवर्धक साहित्य एवं पत्रिकाएं भी शामिल होती हैं।

ऐसे हुई शुरुआतः उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में दूरदराज के हिस्सों में, जहां सामान्य जीवन की जरूरतों को पूरा करना कठिन है। ऐसे में स्कूली छात्रों को उनकी जरूरत की किताबें मुहैया कराना बेहद मुश्किल होता है। साथ ही पत्रिकाएं और साहित्य पढ़ने में रुचि रखने वाले लोगों के लिए भी पत्र-पत्रिकाएं आमतौर पर उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। ऐसे में उत्तराखंड के सुदूरवर्ती गांवों के बच्चों और बड़ों तक कोर्स की किताबों के साथ-साथ विभिन्न विषयों की किताबें और पत्र-पत्रिकाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय निवासी शुभम बधानी के दिमाग में इस अनोखी लाइब्रेरी को शुरू करने का आइडिया आया। बधानी का कहना है कि इस प्रोजेक्ट के तहत पहले उन गांवों को चुना गया, जो मुख्य सड़क से दूर स्थित हैं। जहां पहुंचने के लिए पहाड़ी नालों और झरनों को पैदल पार करना पड़ता है। तय किया गया कि इन गांवों में घोड़ों पर रखकर किताबें पहुंचाई जाएं।

कैसे काम करती है लाइब्रेरीः इस लाइब्रेरी के संचालन के बारे में शुभम बधानी बताते हैं कि वे गांव के शिक्षकों और स्वयंसेवकों के साथ बच्चों से मिलकर पहले उनकी रुचि समझते हैं और उसी के अनुसार किताबें लेकर आते हैं। घोड़ा लाइब्रेरी का घोड़ा कई गांवों में उन लोगों के लिए रुकता है, जो पढ़ने के इच्छुक हैं। साप्ताहिक ट्रिप के माध्यम से एक ट्रिप में बच्चों को किताबें भेजी जाती हैं और अगले ट्रिप में दी गई किताबें वापस ले ली जाती हैं और नई किताबें उन्हें उपलब्ध कराई जाती हैं।

सुदूरवर्ती गांवों तक है पहुंचः आज उत्तराखंड के नैनीताल में सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में इस लाइब्रेरी का भरपूर लाभ उठाया जा रहा है। हर वर्ग के छात्र और उनके अभिभावक भी इस अद्वितीय पोर्टेबल लाइब्रेरी का उपयोग कर रहे हैं। गांवों में बच्चों को अब पुस्तकें और अन्य अध्ययन सामग्री मिलने लगी हैं।

मिसाल है यह प्रयासः शहरी क्षेत्रों की बात करें, तो वहां लोगों को अपना ज्ञान बढ़ाने के लिए तमाम साधन उपलब्ध होते हैं, जैसे- टीवी, विशाल पुस्तकालय, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण संस्थान इत्यादि। इनके माध्यम से शहरी निवासियों को तमाम जानकारी आसानी से मिल जाती हैं। लेकिन सुदूरवर्ती ग्रामीण इलाकों में रहने वाले बच्चों और बड़ों के लिए इन सुविधाओं की उपलब्धता मुश्किल है। अभी भी सैकड़ों दूर-दराज के गांव ऐसे हैं, जो इंटरनेट से नहीं जुड़े हैं। अभी भी लाखों बच्चे हैं, जो बाहरी दुनिया के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। ऐसे में उत्तराखंड के सुदूरवर्ती गांव के लोगों के हाथ में अच्छी किताबों का आना, किताबें पढ़ने का मौका मिलना एक सपने के सच होने जैसा है।

शिक्षा के प्रचार-प्रसार और पढ़ने की आदत विकसित करने की दिशा में शुभम बधानी की 'घोड़ा लाइब्रेरी' अत्यंत महत्वपूर्ण और उपयोगी है। बच्चों के माता-पिता और अन्य ग्रामीणों की भागीदारी की वजह से यह अभियान दिनों-दिन सफल हो रहा है। *

सक्सेस मंत्रा
अंजू जैन

दुनिया के सफलतम लोगों की जीवनयात्रा पर निगाह डालें तो पाएंगे कि उन सभी में अपने काम के प्रति भरपूर प्यार रहा है। सफलता पाने के लिए लगन और समर्पण कितना मायने रखता है, आप जरूर जानना चाहेंगे।

काम से करें प्यार तो सफलता मिले अपार

कई बार मन में सवाल उठता है कि दुनिया में कुछ ही लोग इतने सफल, चर्चित और समृद्ध क्यों होते हैं, जबकि ज्यादातर लोग एक औसत और गुमनाम सा जीवन जीते हैं? इसकी कई वजहें होती हैं, इनमें से कुछ के बारे में यहां जानते हैं।

कर्म को मानते हैं पूजा

वैसे तो दुनिया में लगभग सभी लोग अपनी आजीविका के लिए या नाम कमाने के लिए कुछ न कुछ काम करते हैं। लेकिन कुछ लोग ज्यादातर लोगों से बहुत आगे निकलकर अपने क्षेत्र में, कुछ अपने जिले या राज्य में और कुछ लोग इससे भी आगे बढ़कर देश और दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना लेते हैं। उनके पास नाम, शोहरत, पैसा, सफलता सब कुछ होता है। जानते हैं क्यों? क्योंकि ये उन ज्यादातर लोगों में से नहीं होते, जो बेमन या मजबूरी में अपने काम को करते हैं। ये उन चंद लोगों में से होते हैं, जो अपने काम में पूरी तन्मयता से डूबे रहते हैं। दिन-रात उल्लास और उमंग से मेहनत करते हैं और धैर्यपूर्वक अच्छे नतीजे का इंतजार करते हैं। ऐसे लोगों का जीवनमंत्र होता है- कर्म ही पूजा है।

अपने काम से करें प्यार

आज के समय में सुनीता विलियम्स जैसी अंतरिक्ष यात्री हों या विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी, अंबानी, टाटा और अडानी जैसे उद्योगपति हों या अमिताभ बच्चन, शाहरुख जैसे एक्टर, इन्हें कौन नहीं जानता! ऐसे कई सारे लोग दुनिया में हैं, जो विश्वविख्यात हैं और सफलता के चरम पर हैं। हर कोई जानता है कि उनकी जिंदगी, काम और राह आसान कभी नहीं थे। इन्होंने अपने जीवन में अभूतपूर्व कठिन और जटिल परिस्थितियों का सामना किया। हार-जीत और आशा-निराशा के भंवर से न जाने कितनी बार जूझे हैं।

कई बार इन्होंने खुद को उल्लास, उमंग, प्रशंसा और सफलता के शिखर पर महसूस किया और कई बार ऐसा भी महसूस किया कि मानो सब कुछ समाप्त हो चुका है और वे इतने नीचे जा चुके हैं कि आगे कुछ भी नहीं बचा। लेकिन इन्होंने कभी यह नहीं कहा कि मुझे यह सब अच्छा नहीं लगता या काम में मेरा मन नहीं लगता। जानते हैं क्यों? क्योंकि इन्होंने अपने काम से जी भर कर प्यार किया, उसे ही अपना सब कुछ समझा और हमेशा धैर्य बनाए रखा। इसलिए आज सफल और महान लोगों की सूची में इनका नाम है। हाल ही अंतरिक्ष में करीब 9 महीने तक विषम परिस्थितियों में रहकर लौटी सुनीता विलियम्स ने कहा है, 'अगर आप मन लगाएं, दृढ़ संकल्प रखें और कोई रास्ता खोजें तो आप जो करना चाहें कर सकते हैं। आप कभी खुद को किसी चीज में जकड़ा हुआ महसूस ना करें। कुछ ऐसा खोजें जो आपको पसंद है। जैसे ही वह मिल जाए, आप उसे पूरे मन से अच्छी तरह करें, बस यही महत्वपूर्ण है।'

सकारात्मक दृष्टिकोण है जरूरी

सफलता और सुकून सकारात्मकता से ही मिलते हैं। सकारात्मक दृष्टिकोण वाले व्यक्ति अगर सफलता के शिखर पर हैं और समस्याओं का बेहतर तरीके से समाधान कर पाते हैं तो यह कोई जादू नहीं है बल्कि सीधा सरल विज्ञान है। इसका संबंध हमारे मस्तिष्क की क्षमताओं और इमोशनल इंटेलिजेंस से है। यह नतीजा 30 वर्षों के शोध से प्राप्त हुआ है, जो नॉर्थ कैरोलिना की पॉजिटिव इमोशंस लैबोरेट्री की प्रोफेसर बारबरा फ्रेडरिक के नेतृत्व में हुआ है। ब्रेन न्यूरॉन्स की आवाजाही पर आधारित अध्ययन बताते हैं कि सकारात्मक लोगों के मस्तिष्क का वेंट्रल टैगमैंटल एरिया अधिक सक्रिय होता है, जो उन्हें आशावादी बनाता है। सकारात्मक लोगों के ब्रेन के सर्किट्स उन्हें नए विचारों के लिए खुला बनाते हैं। हमारा सामाजिक व्यवहार कैसा होगा से लेकर हम समस्याओं को कैसे सुलझाते हैं, यह सब ब्रेन सर्किट से ही तय होता है। अपने मस्तिष्क को सकारात्मकता के लिए अधिक सक्षम बनाने के लिए निरंतर सकारात्मक दृष्टिकोण वाली भाषा का इस्तेमाल करना, चीजों के उजले पहलुओं को देखना और ऐसे सवाल पूछना जरूरी है, जो किसी भी परिस्थिति में सर्वश्रेष्ठ हल खोज कर उन्हें बेहतर बनाने पर केंद्रित हों। किसी ने बिल्कुल सही कहा है, परिस्थिति से सोच नहीं बनती बल्कि सोच से परिस्थिति बनती है।

मेहनत के साथ समर्पण जरूरी

जिन लोगों ने इस दुनिया में सफलता, नाम, दौलत और शोहरत पाई है, उन्होंने अपने काम को जी-जान से चाहा है। उस्ताद बिस्मिल्लाह खान हों या अल्बर्ट आइंस्टीन, रतन टाटा हों या स्टीव जॉब्स, ये सभी अपने काम के प्रति पूर्ण समर्पित थे। ये सभी अपने काम को जुनून की हद तक चाहते थे। आपको यह मान कर चलना चाहिए कि आपकी प्रतिभा और आपका जीवन ईश्वर का अनमोल उपहार है। परफेक्शन और अच्छा नतीजा निरंतर एक्शन और समर्पण से ही आता है। अपना काम कीजिए और बाकी ईश्वर पर छोड़ दीजिए। यही महान धर्म ग्रंथ 'गीता' में भी कहा गया है। *

बड़ा पर्दा
हेमंत पाल

भक्ति के अनेक तरीकों में से एक है भक्ति गीतों यानी भजन के माध्यम से ईश्वर को याद करना। अनेक हिंदी फिल्मों में फिल्माए गए भक्ति गीतों को लोग आज भी नहीं भूल पाए हैं। घरों और मंदिरों में ये गीत श्रद्धा-भक्ति के साथ सुने-सुनाए जाते हैं। भक्ति गीतों से सजी ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

भक्ति-गीतों से सजी यादगार हिंदी फिल्में

आज भी लोकप्रिय है फिल्म 'सुहाग' का भक्ति गीत

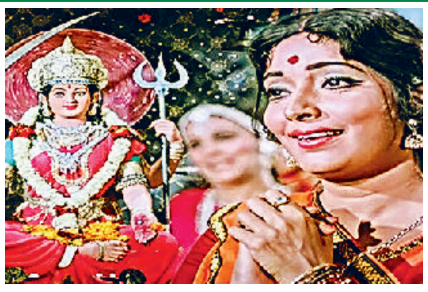

दर्शकों को खूब पसंद आई फिल्म 'जय संतोषी मां'

भगवान की भक्ति के लिए गीत या भजन गाना और सुनना बहुत लोकप्रिय है। फिल्मों में अकसर दिखाया जाता है कि किस तरह एक भजन सारे बुरे हालात बदल देता है। खास बात यह भी कि धार्मिक फिल्मों में ही भक्ति गीत हों, यह जरूरी नहीं। कई मल्टीस्टार एक्शन और रोमांटिक फिल्मों में भी ऐसे कई भक्ति गीत फिल्माए गए, जो लोकप्रिय हुए और आज भी इन्हें सुना जाता है।

शुरुआती दौर से जारी है सिलसिलाः फिल्म इतिहास के पन्ने पलटे जाएं, तो हम पाते हैं कि ब्लैक एंड व्हाइट फिल्मों के जमाने से ही भक्ति गीतों को फिल्मों में शामिल किया जाता रहा है। उस दौर की कुछ फिल्मों के भक्ति गीत और भजन आज भी इतने लोकप्रिय हैं कि तीज-त्योहार पर ये बजते सुनाई देते हैं। फिल्मों ने ऐसे कई भजन और भक्ति गीत दिए हैं, जिन्हें सुनकर और गाकर कुछ पलों के लिए हम अपने दुःख भूल जाते हैं। ऐसी स्थिति में मन में विश्वास की एक ज्योति जल उठती है।

भरपूर सफल हुई 'जय संतोषी मां': धार्मिक फिल्मों और उसके प्रसिद्ध भक्ति गीतों की बात करें, तो 'जय संतोषी मां' को एक मिसाल के तौर पर देखा जा सकता है। 1975 में आई कम बजट की फिल्म 'जय संतोषी मां' को अपार सफलता मिली थी। इस फिल्म की गिनती अब तक की श्रेष्ठ ब्लॉकबस्टर फिल्मों में होती है। फिल्म की अपार सफलता में इस फिल्म के सभी गीतों का भी बड़ा योगदान था। उषा मंगेशकर, महेंद्र कपूर और मन्ना डे ने कवि प्रदीप के लिखे भक्ति गीत गाए थे। 'करती हूं तुम्हारा व्रत मैं स्वीकार करो मां', 'यहां-वहां जहां-तहां मत पूछो कहां-कहां', 'मैं तो आरती उतारूं रे', 'मदद करो संतोषी माता', 'जय संतोषी मां', 'मत रो मत रो आज राधिके', फिल्म के सभी गीत उन दिनों तो खूब प्रचलित हुए ही, आज भी सुने जाते हैं। लोगों में इस फिल्म एवं इसके कलाकारों के प्रति भक्ति-भाव का ये आलम था कि फिल्म में माता संतोषी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस अनीता गुहा को लोग पूजने लगे थे। 'जय संतोषी मां' में अभिनय करने वाले महिपाल ने भी अपने जीवन काल में 'संपूर्ण रामायण', 'वीर भीमसेन', 'वीर हनुमान', 'हनुमान पाताल विजय', जैसी सफल धार्मिक फिल्मों में काम किया। उन्होंने अपने करियर में भगवान राम, कृष्ण, गणेश और विष्णु का किरदार इतनी बार निभाया कि असल जिंदगी में भी लोग इन्हें पूजने लगे थे।

'सुहाग' का यादगार भक्ति गीतः 1979 में अमिताभ बच्चन और शशि कपूर की फिल्म 'सुहाग' आई थी, जिसमें मां दुर्गा की भक्ति पर गाया गया भजन 'नाम रे सबसे बड़ा तेरा नाम ओ शेरोवाली' काफी लोकप्रिय हुआ था। फिल्म के इस भक्ति-गीत में अमिताभ और रेखा ने गरबा भी किया था। आशा भोसले और मोहम्मद रफी की आवाज ने इस गीत को यादगार बना दिया। आज भी नवरात्र और देवी पूजन के अन्य अवसरों पर यह गीत सुनाई देता है।

लंबी है फेहरिस्तः शुरुआत से लेकर अब तक की हिंदी फिल्मों की बात करें, तो भक्ति गीतों से सजी हिंदी फिल्मों की लंबी फेहरिस्त है। याद किया जाए तो ऐसे कालजयी भक्ति गीतों में 1965 में आई फिल्म 'खानदान' के गीत 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके बृजबाला' को रखा जा सकता है। इस भजन को सुनील दत्त पर फिल्माया गया था। राजेंद्र कृष्ण के लिखे इस भजन को मोहम्मद रफी ने गाया था। जन्माष्टमी के अवसर पर अभी भी ये गीत गूंजता है। उससे पहले 1952 में आई फिल्म 'बैजू बावरा' का गीत मोहम्मद रफी की हिंदू भजनों के प्रति लगाव का सबसे बेहतर प्रमाण कहा जा सकता है। 'ओ दुनिया के रखवाले, सुन दर्द भरे मेरे नाले' के बोल आज भी किसी दुखी व्यक्ति का चेहरा सामने ले आते हैं। शकील बदायूंनी के लिखे इस गीत में नौशाद ने संगीत दिया था। 1954 में आई फिल्म 'तुलसीदास' के गीत 'मुझे अपनी शरण में ले लो राम' को भी मोहम्मद रफी ने अपनी आवाज दी और बीते जमाने के विख्यात संगीतकार चित्रगुप्त ने इसे संगीत से सजाया था। गीत में राम को आराध्य मानकर अपना सब कुछ अर्पण करने की बात कही गई है।

ये तो बस कुछ उदाहरण मात्र हैं। ऐसे कितने ही भक्ति गीत हैं, जिसने फिल्म की सफलता में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका तो निभाई ही, आस्थावान दर्शकों एवं भक्तों के हृदय में भक्ति-भाव को भी प्रबल किया। *